

शाह ने अहमदाबाद में इस्कॉन-साणंद... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



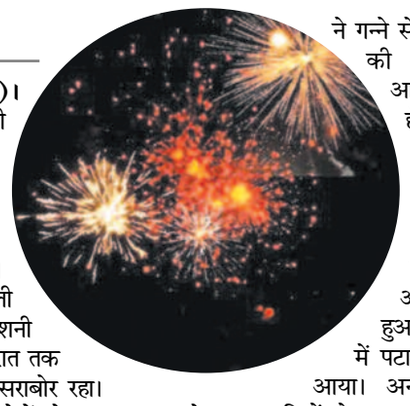
लव स्टोरी पर बेस्ड होगी.. 11

वर्ष - 02, अंक - 218 | गाजियाबाद / मंगलवार 10 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा आसमान

देश भर में धूमधाम से मनी दीवाली,लोगों ने की करोड़ों की आतिशबाजी





नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में दीपावली की धूम रही। इस बार कई करोड़ रुपए की आतिशबाजी हुई। नगर से लेकर गांवों तक दीपोत्सव की धूम रही। घरों में दीपों और बिजली की रंगीन मालाओं से रोशनी बिखरी तो आसमान देर रात तक आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा। लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने जमकर पटाखे जलाए। दीपावली से दो दिन पहले ही लोगों ने घरों को फूलों, रंगीन झालरों और बिजली की मालाओं से सजाना शुरू कर दिया था। रविवार को सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां चलती रहीं। महिलाओं ने गन्ने से मां लक्ष्मी की प्रतिमा तैयार की और घरों के आंगन में आकर्षक रंगोलियां सजाईं। शाम होते ही लोगों ने विधि-विधान से मां लक्ष्मी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। लक्ष्मी पूजन के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। बच्चों से लेकर बड़ों तक में पटाखे जलाने का उत्साह नजर आया। अनार, रॉकेट, चकरी और फुलझड़ियों से आसमान देर रात तक रंगीन होता रहा। शहरों में इस बार कई करोड़ रुपये की आतिशबाजी का अनुमान लगाया जा रहा है। दीपावली के लिए आतिशबाजी की अस्थायी दुकानें सजाई गई थीं।

पांच साल में डिफेंस एक्सपोर्ट साढ़े 4 गुना हुआ

38 हजार करोड़ पार, इसमें प्राइवेट सेक्टर का हिस्सा 45 फीसदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ने पिछले 5 साल में रक्षा उत्पादन में एक बड़ी क्रांति दर्ज की है। यह बदलाव सैन्य टेक्नोलॉजी निजी क्षेत्र के साथ साझा करने से हुआ है। सेना के लिए हथियार और साजो-सामान तैयार करने के मामले में अब सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ निजी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो गया है। हथियार आयात करने के मामले में शीर्ष 5



देशों में गिने जाने वाले भारत ने इसके दम पर तस्वीर उलट दी है। पहली बार सेनाओं के लिए हथियारों के आयात पर जितनी रकम खर्च हुई, उससे अधिक का रक्षा निर्यात देश ने किया। अखबार ने उच्च स्तरीय और अत्याधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी निजी उद्योगों को देने और उससे हुए बदलाव की पड़ताल की। इसमें सामने आया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से मिली टेक्नोलॉजी के बल पर निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 5 सालों में 7,271 करोड़ रु. से बढ़कर 17,353 करोड़ रु. हो गया।

निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी

निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। संसद में पेश आंकड़े के अनुसार, 2025-26 में विदेशी पूंजीगत रक्षा खरीद पर 37,047.31 करोड़ रु. खर्च हुए थे, जबकि इसी अवधि में भारत से सरकारी और निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए रहा, जिसमें निजी सैन्य इंडस्ट्री का योगदान 45.2 फीसदी दर्ज हुआ। बड़ी वजह यह रही कि मिसाइलों से लेकर रडार, ड्रोन और कॉम्बैट उपकरणों तक निजी उद्योग को डीआरडीओ से 2,372 टेक्नोलॉजी का ट्रांसफर हुआ। रक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि किसी बड़े सैन्य संकट में हथियारों और उपकरणों की आपूर्ति के लिए देश को सरकारी कारखानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि रक्षा उत्पादन में एक और बाधा दूर करने की दिशा में बड़ा फैसला हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

अर्से बाद तेजस्वी और तेज ने साथ काटा केक

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के लिए ये वीडियो काफी बड़ा संदेश भी साबित हो सकता है। तेजस्वी यादव दीवाली के मौके पर पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी के घर कौटिल्य नगर पहुंचे थे। अगले ही दिन 9 नवंबर को उनका जन्मदिन भी था। इस दौरान आधी रात को ही तेजस्वी यादव ने जन्मदिन पर दो केक काटे। उनके साथ खड़े थे उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव। चौंकिए नहीं, अर्से बाद दोनों भाइयों का साथ खड़े वीडियो सामने आया है।



राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को पॉलिटिकल मैनेजमेंट का माहिर खिलाड़ी माना जाता है। ऐसे में उनके दोनों बेटों के बीच गहरी खाई थी। राजद सुप्रीमो ने अपना दिमाग लगाया और अर्से बाद दोनों भाइयों को एक साथ, एक जगह लाकर खड़ा कर दिया। ये अलग बात है कि तेज प्रताप यादव राजद से अपनी राह जुदा कर चुके हैं। लालू प्रसाद यादव ने इस खाई को परिवार तक आता देख चुके हैं। ये दरार और चौड़ी हो, इससे पहले लालू यादव ने दिवाली के मौके पर तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को अपने आवास बुला लिया। यहीं लालू ने दिखाया कि जब वो पॉलिटिकल मैनेजमेंट कर सकते हैं, तो ये तो उनके घर की बात है।

कर्नाटक के बाद अब केरलम जानेगा एथनॉल की मात्रा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम सरकार ने राज्य भर के पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण और पेट्रोल के रैंडम नमूनों की लैब जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या ईंधन में एथनॉल का मिश्रण कानूनी रूप से तय 20 प्रतिशत (ई20) की सीमा से अधिक तो नहीं किया जा रहा है। केरलम नागरिक आपूर्ति विभाग की सख्ती पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के मंत्रियों द्वारा लगाए गए उन आरोपों के बाद सामने आई है, जिसमें दावा किया गया था कि पेट्रोल में अत्यधिक एथनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और माइलेज में भारी गिरावट आ रही है। आदेश जारी



होते ही प्रवर्तन टीमों ने कोच्चि सहित राज्य भर के ईंधन स्टेशनों पर ई 20 पेट्रोल के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। एर्नाकुलम जिले के चेम्बुमुक्कू स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एक पेट्रोल पंप पर अधिकारियों ने तेल कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पेट्रोल के कई बैच से नमूने लिए। निरीक्षण की निगरानी कर रहे एर्नाकुलम के जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी शाजी पीआर ने बताया कि चेम्बुमुक्कू स्थित पंप से साधारण पेट्रोल के एक-एक लीटर के छह नमूने एकत्र किए गए हैं। इनमें से दो नमूनों को एथनॉल की मात्रा जांचने के लिए लैब भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार है।

दीवाली की रात

देश भर में आग से 23 की मौत

एमपी में 13 की जान गई,महाराष्ट्र में एक ही परिवार के 6 की मौत



नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं।

सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई।

मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं।

हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं जिनमें से एक 2 महीने का था। वहीं, सिवनी जिले में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से 6 लोगों की जान चली गई। इनमें एक 16 साल का किशोर भी शामिल है।

मुंबई के डोंगरी में झुग्गियों में आग

मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं, जबकि दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी। ठाणे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक में सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

यूपी में कबाड़ की दुकान, 25 लाख का नुकसान

उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20-25 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुणे में आग की 63 घटनाएं हुईं, इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू के नेहरू मार्केट में आग से 12 से ज्यादा दुकानें जल गईं, जबकि नागपुर में टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जल गए।

मोदी ने बस्तर में जवानों के साथ मनाई दीवाली

कहा-हथियार वाले नक्सली गए, अब दिमागी नक्सलियों से लड़ना होगा, ये लोगों को भड़का रहे



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं। पीएम ने यह बात छत्तीसगढ़ के बस्तर में कोबरा ऑपरेशंस बेस में जवानों के सामने कही। पीएम यहां दीवाली मनाने पहुंचे थे। उन्होंने 42 मिनट स्पीच दी। पीएम लगातार 13वीं बार जवानों के साथ दीवाली मनाने पहुंचे थे। इससे पहले 12 मौकों पर उन्होंने देश के अलग-अलग सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। सबसे ज्यादा 3 बार जम्मू-कश्मीर गए। दो-दो बार हिमाचल प्रदेश और लद्दाख जा चुके हैं।

पीएम बोले-देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ

2026 की दीवाली बेहद खास है। 40-50 साल बाद पहली बार देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। करोड़ों लोगों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है। पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान की जान नहीं गई। यह सुरक्षा बलों के शौर्य, साहस और सरकार की सही नीतियों की जीत है। 2004 से 2013 तक हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा जवान शहीद हुए। पिछली सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है। जब किसी देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होती है, तो बाहरी दुश्मन सफल नहीं हो पाते, लेकिन जब आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है, तो बाहरी दुश्मन भी सिर उठाने लगते हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

राहुल गांधी ने आठ दिन में पीएम को 6वीं बार दी चुनौती

पीएम ने हमें नक्सली कहा मुझसे बहस करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। राहुल गांधी ने ङ्क पर लिखा -प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है पता चल जाएगा।



मोदी ने कहा था-दिमागी नक्सलियों से लड़ना है- छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें संबोधित भी किया था। वहां पीएम ने कहा - ये पहली दीवाली है जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने कहा- नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

1930 में आरएसएस पर बैन लगाने की हुई थी कोशिश

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा- उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं।



4 दिन से फरार था,मई में भाजपा सरकार बनने के बाद चौथा एनकाउंटर

बंगाल में भतीजी से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। राज्य में मई में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक, दिलीप रॉय बच्ची का रिश्तेदार था और उसे नदी दिखाने के बहाने जंगल ले गया था। घटना के बाद वह फरार हो गया था।



बंगाल में 5 महीने में रेप के 2,454 और हत्या के 600 मामले

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद 1 मई से 24 सितंबर के बीच रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी औसतन हर दिन करीब 17 मामले सामने आए। इस दौरान हत्या के 600, हत्या की कोशिश के 13,114 और गंभीर चोट पहुंचाने के 32,341 मामले भी दर्ज किए गए। वहीं, क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत की छह महीने में यह चौथी घटना है। ये आंकड़े राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हवाले से आरटीआई के जवाब में सामने आए हैं। आरटीआई आवेदन टीएमसी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने दाखिल किया था।

4 आतंकियों की तलाश, लालचौक पर बैनर लगा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के लाल चौक इलाके में रविवार सुबह चार वांटेड आतंकियों की जानकारी मांगने वाला बैनर लगाया गया है। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर टांगा गया है। इसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें हैं। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है। वह इस साल जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल था। इसके अलावा बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन का नाम भी है। ये तीनों बारामूला जिले के रहने वाले हैं। बैनर पर लिखा है, जो भी इन आतंकियों की आवाजाही या मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी दे सकता है, उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और अच्छा इनाम दिया जाएगा। **लतीफ पर 15 लाख का ईनाम पहले से-** इससे पहले अगस्त-सितंबर में काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर ने वांछित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी लतीफ अहमद भट की गिरफ्तारी के लिए श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर लगाए हैं।

दीपावली पर आतिशबाजी का कहर : जूता फैक्ट्री सहित 12 जगह अग्निकांड

आगरा, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के आगरा में दीपावली की खुशियां इस बार आतिशबाजी की चिंगारियों की चपेट में आकर तबाही में बदल गईं। रविवार की रात से सोमवार सुबह तक ताजनगरी में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर भीषण आग लगने की दर्दनाक घटनाएं सामने आईं, जिसमें जूता कारखाने, फलों की दुकानें और रिहायशी मकान शामिल हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम पूरी रात लगातार आग बुझाने में जुटी रही, जिससे शहर में दहशत का माहौल बना रहा। आग की सबसे बड़ी घटना लक्ष्मी नगर में हुई, जहां पटाखों से निकली एक चिंगारी ने एक जूता कारखाने में आग लगा दी। कारखाने में रखे केमिकल और चमड़े के सामान के कारण आग देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर गई। ऊंची उठती लपटों ने पूरे इलाके में भय का माहौल पैदा किया। स्थानीय लोगों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। हालांकि, तब तक कारखाने का भारी नुकसान हो चुका था। इसके अलावा, बिचपुरी रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक फलों की दुकान भी भीषण आग की चपेट में आ गई। आग इतनी तेज थी कि पूरी दुकान जलकर राख हो गई, जिससे व्यापारी का लाखों का सामान नष्ट हो गया। वहीं, आवास विकास कॉलोनी में भी एक मकान आतिशबाजी की वजह से लगी आग से प्रभावित हुआ, जिसे दमकल कर्मियों ने समय रहते नियंत्रित कर लिया। दीपावली की रात शहर भर से आग लगने की लगातार सूचनाएं मिलती रहीं, जिसके चलते दमकल विभाग की गाड़ियां पूरी रात एक के बाद एक घटनास्थल पर दौड़ती रहीं। गनीमत यह रही कि इन दर्दनाक हादसों में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये के माल के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है, जिसने दीपावली की खुशियों को मातम में बदल दिया।

काली पूजा पर कोलकाता पुलिस का बड़ा एक्शन : 592 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में काली पूजा की रात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कोलकाता पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 592 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से 205 ने प्रतिबंधित पटाखे जलाए थे, जबकि 387 को उपद्रव करने के आरोप में पकड़ा गया। इसके साथ ही, पुलिस ने 238.6 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे भी जब्त किए। पुलिस कार्रवाई केवल यहीं तक सीमित नहीं रही। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 593 लोगों पर भी कार्रवाई की गई। इसमें 454 बिना हेलमेट वाले दोपहिया वाहन चालक और यात्री, 75 तेज व लापरवाही से वाहन चलाने वाले और 64 शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले शामिल थे। इसके अतिरिक्त, 6 लीटर अवैध शराब भी जब्त की गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नियमों के उल्लंघन पर नजर रखने के लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

एक सोची-समझी साजिश के चलते पंजाब के खेतों में जानबूझकर लगाई गई आग

- दिल्ली में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंचा, मंत्री कपिल मिश्रा ने लगाए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली के मौके पर तय समयसीमा के काफी बाद तक राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर पटाखे जलाए जाने के कारण सोमवार को शहर की हवा में प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो गया। सुबह जब लोगों की आंखें खुलीं, तो पूरा शहर घनी धूसर धुंध की चादर में लिपटा हुआ था। इस बीच दिल्ली की रेखा सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने इसे एक बड़ी साजिश बताया है और इसका संबंध पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं से जोड़ा है। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने मीडिया से कहा कि रविवार शाम उन्हें पंजाब के किसानों के फोन आने लगे थे, जिन्होंने बताया कि रात के समय उनके खेतों में जानबूझकर आग लगाई जा रही है।

शाह ने अहमदाबाद में इस्कॉन-साणंद एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया, ट्रैफिक से मिलेगी राहत



अहमदाबाद , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 4.03 किलोमीटर लंबे इस्कॉन-साणंद एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया। 464 करोड़ रुपये की भारी लागत से निर्मित यह छह-लेन परियोजना अहमदाबाद के सरखेज-गांधीनगर हाईवे पर लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम को कम करने और सरखेज व गांधीनगर के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

नेशनल हाईवे 147 पर स्थित यह कॉरिडोर इस्कॉन जंक्शन को साणंद फ्लाईओवर से जोड़ता है, जिससे कर्णावती क्लब, प्रहलाद नगर और वाईएमसीए जैसे व्यस्त इलाकों से गुजरने वाले वाहनों की आवाजाही बहुत आसान होगी। यह एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है जिसका उद्देश्य शहरी गतिशीलता को सुगम बनाना है। इस परियोजना से यात्रियों के यात्रा समय में महत्वपूर्ण बचत होगी, ईंधन की खपत में कमी आएगी और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। 26.8 मीटर चौड़ा यह एलिवेटेड कॉरिडोर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए 5,880 मीटर के हिस्से में विशेष नॉइज बैरियर (शोर रोकने वाली दीवारें) लगाए गए हैं, जो आसपास के आवासीय क्षेत्रों के लिए बड़ी राहत प्रदान करेंगे। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु इसमें 297 स्ट्रीटलाइट्स, एक एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, रोड साइनबोर्ड, कैट्स आई और चकाचौंध रोकने वाले (एंटी-ग्लेयर) उपाय शामिल हैं, जो रात में ड्राइविंग को सुरक्षित और आरामदायक बनाएंगे। मुख्य कॉरिडोर के अलावा, ट्रैफिक की आवाजाही को और भी आसान बनाने के लिए 7 से 14 मीटर चौड़ी व्हाइट-टॉपिंग सर्विस सड़कें भी बनाई गई हैं। उम्मीद है कि यह कॉरिडोर सरखेज और गांधीनगर के बीच आवागमन करने वालों को अधिक सुरक्षित और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे हाईवे पर लगने वाले भीषण जाम से प्रभावी ढंग से निजात मिलेगी और अहमदाबाद के निवासियों के जीवन में सुधार आएगा। इस महत्वपूर्ण उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, शहरी विकास राज्य मंत्री दर्शना वाघेला, अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, विधायक अमित ठाकर और बाबूभाई पटेल सहित अहमदाबाद नगर निगम के पदाधिकारी, स्थानीय पार्षद और कई सामाजिक व राजनीतिक नेता भी उपस्थित रहे, जो इस परियोजना के महत्व को दर्शाता है।

किसी की इबादतगाह शहीद की जाए तो हर इंसान का दिल पसीज जाएगा, आंसू आ जाएंगे

- बाबरी मस्जिद विध्वंस पर सोनिया गांधी के बयान पर अबू आजमी का भावनात्मक बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराए जाने के मामले पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के हालिया बयान ने एक बार फिर सियासी हलचल तेज कर दी है। सोनिया गांधी ने दावा किया था कि जब उन्हें बाबरी मस्जिद विध्वंस की खबर मिली तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। इस बयान के बाद बीजेपी लगातार सोनिया गांधी पर हमलावर है। इसी बीच महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी विधायक अबू आजमी का बड़ा और भावनात्मक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी के आंसुओं की कद्र तो की, लेकिन अपनी और अपने समुदाय की पीड़ा को भी व्यक्त किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अबू आजमी ने सोनिया गांधी के आंसुओं को सम्मान देते हुए कहा कि हर सच्चा इंसान, चाहे वह किसी भी मजहब का हो, अगर किसी की इबादतगाह शहीद की जाए और गुंडागर्दी के बलबूते पर हथौड़ा लेकर उसे तोड़ा जाए तो मैं समझता हूं कि हर इंसान का दिल पसीज जाएगा और उसकी आंखों में आंसू आ जाएंगे। उन्होंने सांप्रदायिक ताकतों द्वारा बाबरी मस्जिद को शहीद करने की कड़ी निंदा की और कहा कि इससे बुरा कोई काम हो ही नहीं सकता है। आजमी ने सोनिया गांधी के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सोनिया गांधी के आंखों में आंसू थे, हम सब तो बहुत चिल्ला चिल्ला कर रो रहे थे उस दिन। हमारी मस्जिद को इन लोगों ने शहीद कर दिया और आज उसपर मंदिर बना दिया। उनके इस बयान में उस दिन की प्रत्यक्ष पीड़ा और गहरी भावनाएं स्पष्ट रूप से झलकती हैं, जो एक समुदाय के तौर पर उन्होंने महसूस की थी। इतना ही नहीं अबू आजमी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कोर्ट ने यह बोलकर मंदिर बनाने की इजाजत दी थी कि बहुसंख्यक ऐसा चाहते हैं। मुसलमान हिंदुस्तान में हमेशा से माइनॉरिटी में है।

अखिलेश का अयोध्या दौरा- पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने किया स्वागत

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का अयोध्या दौरा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बना है। इस बहुप्रतीक्षित दौरे को लेकर जहां सियासी बयानबाजी तेज हो गई है, वहीं बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने इसका गर्मजोशी से स्वागत किया है। अंसारी ने कहा कि भगवान राम की नगरी में सभी को दर्शन करने आना चाहिए। उन्होंने अयोध्या के धार्मिक महत्व पर जोर देकर कहा, यह धर्म की नगरी है, भगवान राम और हनुमान का निवास स्थान है। यहां बहने वाली सरयू नदी और प्राचीन परंपराएं देश भर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती हैं। अंसारी ने अपनी टिप्पणी में अयोध्या की धरती पर हर गलती को क्षमा किए जाने की बात कहकर अखिलेश के दौरे को सद्भावपूर्ण दृष्टिकोण से देखने का संकेत दिया, जहां उनका मानना है कि भगवान सभी के लिए हैं और सभी को उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अखिलेश के कदम को सीधे तौर पर चुनावी रणनीति का हिस्सा बताकर हमलावर है। बीजेपी ने समाजवादी पार्टी के शासनकाल के दौरान कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का मुद्दा फिर से उठाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अखिलेश अयोध्या आएं, लेकिन उससे पहले उन्हें अपने पुराने कृत्यों के लिए माफी मांगनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के नेता तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय ने दावा किया था कि अखिलेश यादव 12 दिसंबर को रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। इस प्रकार, अखिलेश का यह अयोध्या दौरा राजनीतिक बहसों का केंद्र बना हुआ है, जिसमें स्वागत और तीखी आलोचना दोनों एक साथ चल रही हैं।

खुशियों की ईद बयान पर घमासान, सोनिया और राहुल गांधी के मुखपत्र खरगे

गिरिराज सिंह सहित कई नेताओं ने लगाया अल्पसंयक तुष्टीकरण का आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दिवाली को खुशियों की ईद बताने वाले बयान ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेताओं ने बयान की कड़ी निंदा कर कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और हिंदू विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया, वहीं कांग्रेस ने बयान को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताया।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने खरगे के बयान को राहुल गांधी और गांधी परिवार के मुखपत्र की टिप्पणी करार दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस दशकों से देश में तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है, जिसकी शुरुआत नेहरू ने देश के विभाजन से की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिंदुओं को बांटने और मुसलमानों को खुश करने की कोशिश करती है, जबकि हिंदू त्यौहारों पर उनकी जुबान पर चार अच्छी लाइनें भी नहीं होती और न ही वे कोई अच्छी बात कहते हैं।

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने खरगे के बयान को गांधी परिवार के इशारे पर सोची-समझी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इतनी अंधी हो गई है कि वह प्रकाश के पावन पर्व पर भी तुष्टीकरण कर रही है और उसके नेताओं के बयानों में हिंदू-विरोध का जहर खुलकर सामने आ रहा है। बिहार बीजेपी नेता सरावगी ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस में किसी और त्यौहार को खुशियों की दीपावली कहने की हिम्मत है? उन्होंने इन बयानों को 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले वोट बैंक मजबूत करने की कोशिश करार दिया।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी कांग्रेस को सनातन-विरोधी और हिंदू-विरोधी पार्टी बताकर कहा कि यह पूरी तरह से वोट बैंक की राजनीति है। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने सोनिया गांधी के बाबरी और बाटला एनकाउंटर पर कथित रूप से रोने का जिक्र कर आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल तुष्टीकरण की राजनीति करना चाहती है। उन्होंने बताया कि गांधी-वाड्रा परिवार या खरगे में से कोई भी अयोध्या के राम मंदिर नहीं गया और उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहे जाने पर भी कांग्रेस चुप रही थी।



दूसरी ओर, कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान का बचाव किया। अल्वी ने समझाया कि ईद खुशी का प्रतीक है और अक्सर इस एक रूपक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, जैसे कि ईद का चांद होना मुहावरा खुशी व्यक्त करने के लिए प्रयोग होता है। उन्होंने कहा कि अगर खरगे ने ऐसी बात कही है, तब यह एक ऐसी भावना है जो कि केवल एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति ही व्यक्त कर सकता है, और भाजपा या सांप्रदायिक सोच रखने वाले लोगों से ऐसी भावनाओं की उम्मीद नहीं की जा सकती।

वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें: फिक्की रिपोर्ट से टारगेट में मोदी सरकार

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने साधा निशाना

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश दिवाली के बाद देश में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर मोदी सरकार पर हमलावार है। उन्होंने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और एक हालिया विस्तृत रिपोर्ट का हवाला देकर दावा किया कि मोदी सरकार देश में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों की गंभीरता को लंबे समय से नजरअंदाज करती रही है।

कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि मोदी सरकार ने अतीत में संसद के अंदर और बाहर कई रिपोर्टों को यह कहकर खारिज किया कि वे भारत के संदर्भ में नहीं हैं या वायु प्रदूषण से सीधी जुड़ी नहीं हैं। हालांकि, फिक्की की यह नई रिपोर्ट इन दावों को पूरी तरह से खारिज करती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत में लगभग 20 लाख मौतें जो कुल मौतों का लगभग 22 प्रतिशत है, सीधे तौर पर वायु प्रदूषण के कारण हुईं। यह आंकड़ा देश में स्वच्छ हवा के अभाव के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों को दिखाता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने विश्लेषण को गहरी नींद में सोई मोदी सरकार के लिए एक और चेतावनी करार दिया। उन्होंने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस की तुलना सांस लेने में आसानी से करते हुए कहा कि साफ हवा एक कहीं अधिक बुनियादी आवश्यकता है, इस प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर 2.5) का स्तर भारत के कई हिस्सों में जानलेवा खतरे का रूप ले चुका है, जिस पर तत्काल राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान देने की जरूरत है।

प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए कांग्रेस नेता रमेश ने तीन-सूत्रीय कार्यक्रम भी साझा किया। उन्होंने कहा कि सुधार का एजेंडा काफी समय से स्पष्ट है और फिक्की की यह रिपोर्ट राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई के लिए 10 साल का एक जरूरी और चरणबद्ध रोडमैप पेश करती है। इस पर अमल तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। पहला बिंदु, पीएम 2.5 और ओज़ोन के मौजूदा मानकों को सख्त कर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा सुझाए गए सुरक्षित स्तरों के बराबर लाना है। दूसरा, नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम में बदलाव कर विशेष रूप से पीएम 2.5 और ओज़ोन पर केंद्रित करना। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण,



वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की जगह एक नया स्वच्छ वायु अधिनियम लाना, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य पर केंद्रित हो, क्योंकि अब वायु प्रदूषण के स्रोतों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले उनके प्रभावों को लेकर कई नए और ठोस सबूत सामने आ चुके हैं।

जम्मू अग्निकांड: महबूबा मुफ्ती ने की व्यापारियों के लिए वित्तीय सहायता की मांग



जम्मू, एजेंसी । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जम्मू के आग से तबाह हुए नेहरू बाजार का दौरा किया। उन्होंने अग्निकांड में भारी नुकसान झेलने वाले व्यापारियों के लिए राज्य सरकार से पर्याप्त वित्तीय सहायता देने की जोरदार मांग की। शहर के बिक्रम चौक स्थित ऐतिहासिक थोक बाजार में रविवार देर रात लगी भीषण आग में कई दुकानें जलकर खाक हो गईं, इससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है।

नेहरू बाजार, जो जम्मू के सबसे पुराने कारोबारी केंद्रों में से एक है, अनाज, खाद्य तेल, दाल, आटा, चावल, घी, सूखे मेवे और अन्य आवश्यक वस्तुओं के थोक कारोबार का प्रमुख केंद्र है। दीपावली जैसे त्यौहारों के मौसम में लगी इस आग ने व्यापारियों की खुशियां छीन लीं, जिससे उनकी दिवाली एक अंधेरी और डरावनी रात में बदल गई।

प्रभावित व्यापारियों के प्रति एकजुटता जताकर पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि उमर सरकार की वित्तीय सहायता के बिना वे न इस अपूरणीय क्षति से उबर पाएंगे और न ही अपना कारोबार दोबारा शुरू कर सकते है। उन्होंने बताया कि इसमें से अधिकांश छोटे कारोबारी हैं जिन्होंने अपना काम शुरू करने के लिए कर्ज लिया है या अपने परिवार के गहने तक बेच दिए हैं। वे अपनी दैनिक कमाई से अपने परिवारों का पालन-पोषण करते हैं, और अब उनका सब कुछ तबाह हो गया है। उन्होंने त्यौहारों के मौसम में बाजारों में पर्याप्त सुरक्षा और अग्निशमन इंतजाम न होने पर भी सवाल उठाए।

प्रभावित व्यापारियों ने भी अग्निशमन व्यवस्था में खामियों का आरोप लगाया। उनका कहना था कि आग लगने के शुरुआती पलों में पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, और छोटा दमकल वाहन देरी से और कम पानी के दबाव के साथ पहुंचा। उन्होंने करोड़ों के नुकसान का अनुमान लगाया और बताया कि कुछ दुकानदारों का बीमा हो सकता है, लेकिन किसी ने भी इतनी बड़ी तबाही की आशंका नहीं जाहिर थी। यह दो सप्ताह में जम्मू में आग लगने की दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 25 अक्टूबर की रात शिव मार्केट में भी भीषण आग लगी थी, जिसमें 40 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं थीं। इन घटनाओं ने त्यौहारों के मौसम में बाजारों की सुरक्षा और आपातकालीन तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुंबई के राम मंदिर में तोड़फोड़ और धमकी, दो गिरफ्तार; राजनीतिक संरक्षण की जांच की मांग

मुंबई , एजेंसी । मुंबई के अंधेरी पूर्व स्थित मरोल नाका के राम मंदिर में घुसकर बजरंगबली के पोस्टर फाड़ने, मंदिर के बोर्ड पर काले रंग का स्प्रे पेंट करने और सुरक्षा गार्ड को जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपी अमित पाठक और विनोद मिश्रा को गिरफ्तार किया गया है। मंदिर के ट्रस्टी जयेश पटेल की शिकायत पर आरे पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, 4 नवंबर, 2026 को पाठक ने 7 नवंबर को मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती की अपील की थी, जिसके बाद उसी दिन शाम को करीब 30-40 लोग मंदिर परिसर में जमा हुए। आरोप है कि इस दौरान पाठक ने सुरक्षा गार्ड नंदलाल केवट के साथ गाली-गलौज की और उसका कॉलर पकड़कर तुझे काटकर जंगल में फेंक देंगे, जैसी जान से मारने की धमकी दी।

कोसी में बाढ़ नियंत्रण को मिलेगी नई दिशा, सुपौल में बना देश का दूसरा मॉडलिंग सेंटर

सुपौल, एजेंसी । बिहार में बाढ़ और नदी कटाव की समस्या के वैज्ञानिक समाधान की दिशा में बड़ी पहल हुई है। सुपौल जिले के वीरपुर में 106 करोड़ की लागत से देश का दूसरा अत्याधुनिक फिजिकल मॉडलिंग सेंटर बनकर तैयार हो गया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना का जल्द ही मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन करने की संभावना है। उद्घाटन समारोह की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सावन कुमार ने सोमवार को सेंटर परिसर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी सुविधाओं, रिसर्च बेसिन और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मॉडलिंग सेंटर के मुख्य अभियंता को उद्घाटन से पहले सभी लंबित कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट किया कि आयोजन से पहले परिसर की व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस केंद्र की स्थापना कोसी सहित उत्तर भारत की प्रमुख नदियों के जल प्रबंधन, बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान, तटबंधों की सुरक्षा और नदी के जलप्रवाह एवं दिशा परिवर्तन का वैज्ञानिक अध्ययन करने के उद्देश्य से की गई है। इससे बाढ़ नियंत्रण और कटाव रोकने के लिए प्रभावी योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी।

विश्व बैंक के वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग से निर्मित यह केंद्र पुणे स्थित सेंट्रल वाटर एंड पावर रिसर्च स्टेशन (सीडब्ल्यूपीआरएस) के बाद देश का दूसरा फिजिकल मॉडलिंग सेंटर है। यहां नदियों के भौतिक मॉडल तैयार कर वास्तविक परिस्थितियों में जलप्रवाह, कटाव और नदी की बदलती धारा का अध्ययन किया जा सकेगा। इससे जल संसाधन विभाग को योजनाओं के निर्माण और तकनीकी निर्णय लेने में वैज्ञानिक आधार मिलेगा। संभावित उद्घाटन कार्यक्रम को देखकर डीएम ने परिसर के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने जंगली घास और झाड़ियों की सफाई, प्रशासनिक भवनों की रंगाई-पुताई, आंतरिक सड़कों की मरम्मत तथा छायादार एवं फलदार पौधे लगाकर ग्रीन बेल्ट विकसित करने का निर्देश दिया।

39 दिन बाद भी स्थापित नहीं हुई हनुमान प्रतिमा, ग्रामीणों में बढ़ता जा रहा आक्रोश



नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के ग्राम मुगलवाला के सामने नगीना-बुंदकी मार्ग किनारे खंडित की गई हनुमान प्रतिमा 39 दिन बीतने के बाद भी स्थापित नहीं हो सकी है। नवरात्रों में नई प्रतिमा स्थापित कराने के पुलिस के आश्वासन के बावजूद अब तक कार्य पूरा नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि शीघ्र प्रतिमा स्थापित नहीं कराई गई तो वे दोबारा धरना-प्रदर्शन शुरू करने को मजबूर होंगे। गौरतलब है कि चार अक्टूबर की देर रात शरारती तत्वों ने सड़क किनारे स्थापित हनुमान प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था। घटना से आक्रोशित सैकड़ों ग्रामीणों, महिलाओं और पुरुषों ने खंडित प्रतिमा के पास धरना शुरू कर दिया था। ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और उसी स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित कराने की मांग की थी। सूचना पर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और नवरात्रों में विधि-विधान से नई प्रतिमा स्थापित कराने का आश्वासन दिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया था। ग्रामीणों के अनुसार, प्रतिमा स्थापित कराने की जिम्मेदारी मस्तराज सिंह और उनके भाई को सौंपी गई थी। उन्होंने हरिद्वार से चार फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा भी खरीद ली और स्थल पर चहारदीवारी तथा चबूतरे का निर्माण शुरू कराया, लेकिन 39 दिन गुजरने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ। ग्रामीणों का सवाल है कि प्रतिमा उपलब्ध होने के बावजूद स्थापना में देरी क्यों की जा रही है। ग्रामीण कुसुम देवी, सविता, कमला, राधा, अंजलि, नेहा, बबीता, पुष्पा, ज्योति, पूनम, भगवती, मिथिलेश, करन, उमेश, नरेश, सुरेश, सुनील कुमार, अजीत, अनिल, राम सिंह, नरेंद्र शर्मा और संदीप वर्मा ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र प्रतिमा स्थापित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह स्थल ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र है। आश्वासन पूरा नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से प्रतिमा स्थापना की जिम्मेदारी संभाल रहे लोगों पर दबाव बनाकर निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने की मांग की है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर क्षेत्र में गांव उलेड़ा के पास रोडवेज बस और बाइक के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवारों में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, चांदपुर क्षेत्र के गांव उलेड़ा के पास रोडवेज बस और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों में हलचल मच गई। मृतकों की पहचान गौरव निवासी गांव सिकरौंदा तथा कार्तिक निवासी गांव पुठ्ठा, थाना हीमपुर दीपा के रूप में हुई है। हादसे में दोनों युवकों की जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिजन मौके पर पहुंच गए। जवान बेटों की मौत से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। आसपास के ग्रामीणों में भी हादसे को लेकर शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस तथ्यों की जांच में जुटी है।



जिले में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पर्व, घरों में हुई गोवर्धन महाराज की पूजा

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के शहरी और ग्रामीण अंचलों में गोवर्धन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर महिलाओं ने घरों में गोबर से गोवर्धन महाराज की पारंपरिक आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार में सुख-शांति की कामना की। वहीं पशुपालकों ने अपने मवेशियों को सजाकर उनके गले में आकर्षक मालाएं बांधीं तथा घरों में विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया गया। पर्व के दिन बुधवार को सुबह से ही महिलाओं ने घरों में साफ-सफाई कर गोबर से गोवर्धन महाराज की सुंदर आकृति का निर्माण किया। हालांकि इसके लिए उन्हें गोबर की व्यवस्था करने में खासी मशक्कत भी करनी पड़ी। परिवार के सभी सदस्यों ने एकजुट होकर भजन-संकीर्तन किया और शाम को गोवर्धन महाराज की पूजा की। उधर, प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मोहल्ला छज्जूपुरा में प्रदीप सैनी के आवास पर गोवर्धन पर्व के उपलक्ष्य में विशेष भजन-संकीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात भक्त गायकों ने मनमोहक भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। दीपावली के ठीक अगले दिन मनाए जाने वाले इस पर्व पर पशु प्रेमियों और पालकों ने अपने पशुओं का विशेष शृंगार कर उनके गले में सुंदर मालाएं डालीं। इसके साथ ही लोगों ने सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से एक-दूसरे को गोवर्धन पर्व की आत्मीय शुभकामनाएं दीं।



राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

शहीदों के सपनों का उत्तराखंड बनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि : पुष्कर सिंह धामी

देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कचहरी परिसर स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर राज्य आंदोलन के अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पृथक उत्तराखंड राज्य के निर्माण के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले आंदोलनकारियों को नमन करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और योगदान को याद किया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का निर्माण आंदोलनकारियों के लंबे संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। राज्य आंदोलन में महिलाओं, युवाओं, छात्रों, पूर्व सैनिकों सहित समाज के सभी वर्गों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामूहिक संघर्ष और संकल्प के बल पर ही पृथक राज्य का सपना साकार हो सका। राज्य निर्माण के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों का योगदान हमेशा अविस्मरणीय रहेगा।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 26 वर्ष पूरे कर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इन वर्षों में प्रदेश ने अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के विकास कार्यों को नई गति मिली है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनकारियों की भावनाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास का लाभ पहुंचाना, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना तथा पलायन रोकना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य की सांस्कृतिक विरासत और मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना लक्ष्य है। शहीद आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, सचिव युगल किशोर पंत, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आशीष चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल मौजूद रहे।

दीपों की जगमगाहट से नहाया शामली, आतिशबाजी और उल्लास के बीच मना दीपोत्सव

शामली (शिखर समाचार)। जिलेभर में रविवार को दीपावली का पर्व हर्षोल्लास, धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही दीपोत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बाजारों में दिनभर खरीदारी की चहल-पहल रही। शाम होते ही घरों और प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश तथा माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए दीपक जलाए और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।



दीपावली पर शहर के बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने मिठाइयों, खील-बताशे, पूजा सामग्री, सजावटी सामान और दीपकों की जमकर खरीदारी की। शाम होते ही वीवी पीजी कॉलेज परिसर में लगाए गए पटाखा बाजार में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पटाखों की दुकानों पर देर शाम तक खरीदारी जारी रही। भीड़ के चलते कई दुकानदारों का पटाखों का सामान रात होने से पहले ही समाप्त हो गया।

सूर्यास्त के बाद शहर का नजारा देखते ही बन रहा था। लोगों ने अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों को रंग-बिरंगी बिजली की झालरों, दीपमालाओं और आकर्षक सजावट से रोशन कर दिया। मंदिरों में भी विशेष सजावट की गई। रात करीब आठ बजे से आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साह के साथ पर्व मनाया। आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा और देर रात तक पटाखों की आवाज गूंजती रही।

इस बार बाजारों में ब्रांडेड मिठाइयों और आकर्षक उपहार पैक की मांग भी अधिक रही। मिठाइयों की गुणवत्ता को लेकर आशंकाओं के चलते अनेक लोगों ने पैकिंग वाली मिठाइयों, बिस्कुट के डिब्बों और उपहार सामग्री को प्राथमिकता दी। लोगों ने मित्रों, रिश्तेदारों और परिचितों को मिठाइयां तथा उपहार भेंट कर खुशियां साझा कीं। वहीं, व्हाट्सऐप सहित अन्य सामाजिक माध्यमों पर भी शुभकामना संदेशों का सिलसिला चलता रहा। देर रात तक लोग एक-दूसरे के घर पहुंचकर बधाई देते नजर आए। पूरे जिले में दीपावली का पर्व प्रेम, भाईचारे और उल्लास के साथ मनाया गया।

क्रेटा कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता का उत्पीड़न, छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। अतिरिक्त दहेज में क्रेटा कार की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता का उत्पीड़न करने, सोने के जेवर हड़पने और संपत्ति धोखाधड़ी से अपने नाम कराने के आरोप में पुलिस ने पति सहित छह ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता ने ससुराल पक्ष पर मारपीट करने, जान से मारने का प्रयास करने और बेटी के अपहरण की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है।

मोहल्ला खैलखुर्द निवासी साजिदा उर्फ मुसर्रत ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी शादी 2 जनवरी 2010 को जलालाबाद निवासी नाजिम हसन के साथ हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज में क्रेटा कार की मांग करते थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसका शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। पीड़िता का आरोप है कि पति ने उसे बहला-फुसलाकर बैंक के लॉकर में रखे 540 ग्राम सोने के जेवर निकलवा लिए और देहरादून स्थित उसका भूखंड भी धोखाधड़ी से अपने नाम करा लिया। शिकायत के अनुसार, 26 अक्टूबर 2025 को ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की और गले में चुनरी डालकर जान से मारने का प्रयास किया। इसके बाद उसे मायके में छोड़कर चले गए। आरोप है कि 13 दिसंबर 2025 को देवर राशिद मायके पहुंचा और मारपीट करते हुए उसकी बेटी के अपहरण का प्रयास किया। सूचना पर डायल 112 पुलिस के पहुंचने पर आरोपी फरार हो गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि 1 अगस्त 2026 को पति नाजिम हसन ने तीनों भाइयों को फोन कर धमकी दी। कोतवाली प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर पति नाजिम हसन, सास सजीला, ससुर नईम हसन, देवर राशिद, देवरानी फोजिया और खालिद निवासी जलालाबाद के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।



राज्य स्थापना दिवस पर हरिद्वार में विकास की उपलब्धियों का बखान, आंदोलनकारियों और प्रतिभाओं का सम्मान

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर ऋषिकुल ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय समारोह धूमधाम से मनाया गया। जनपद के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान राज्य आंदोलनकारियों को पटका और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उत्तराखंड की लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। समारोह में गैरसैंण स्थित भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का संबोधन दिखाया गया।



प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। प्रदेश ने 26 वर्षों में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है। उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य है और हरिद्वार में इसके एक लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। नीति आयोग की जुलाई 2022 की रिपोर्ट में हरिद्वार ने देश के 112 आकांक्षी जनपदों में पहला स्थान प्राप्त किया था, जिसके लिए 10 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली। मार्च 2024 की रैंकिंग में वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर तीन करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि भी मिली।

उन्होंने बताया कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत जिले में 71 बहुउद्देशीय शिविर लगाए गए, जिनमें 2,231 शिकायतों का निस्तारण हुआ और 51 हजार से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला। जनपद में एक लाख से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि, लगभग एक लाख 37 हजार लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन और 10 लाख 40 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 23 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। आगामी कुंभ मेला-2027 के लिए घाटों के सौंदर्यीकरण और रोड़ी बेलवाला पुनर्विकास सहित विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

समारोह में मेयर किरण जैसल और राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल ने भी विचार रखे। कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी, सौर ऊर्जा और सहकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की विकास पुस्तिका 'सशक्त नेतृत्व, विकास की ऊंची उड़ान' का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, राज्यमंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि, श्यामवीर सैनी, शोभाराम प्रजापति, अजीत चौधरी, विधायक आदेश चौहान, आयुक्त आनंद स्वरूप, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच दीपावली मनाने पहुंचे खतौली कोतवाल, बांटी खुशियां

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। दीपावली का पर्व केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुंचाने का अवसर है, जो अपनों से दूर रहकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इसी मानवीय भावना का परिचय देते हुए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित खतौली थाना प्रभारी दिनेश कुमार बघेल ने पुलिसकर्मियों और अपने परिवार के सदस्यों के साथ पमनावली (खतौली) स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के बीच दीपावली मनाई। उन्होंने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को दीपावली के उपहार भेंट किए और उनके साथ समय बिताकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। आमतौर पर त्योहारों पर लोग अपने परिवार के साथ खुशियां मनाते हैं, लेकिन वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के लिए किसी का हालचाल पूछना और कुछ पल साथ बिताना भी अनमोल उपहार से कम नहीं होता। ऐसे में पुलिस टीम को अपने बीच पाकर बुजुर्गों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने पुलिसकर्मियों के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार पर प्रसन्नता जताई और सभी को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर दिनेश कुमार बघेल ने बुजुर्गों के साथ आत्मीयता से बातचीत की और उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उनकी इस पहल ने यह संदेश दिया कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों और समाज के उपेक्षित वर्गों के सुख-दुख में सहभागी बनना भी उसका महत्वपूर्ण दायित्व है। स्थानीय लोगों ने खतौली पुलिस के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। उल्लेखनीय है कि थाना प्रभारी दिनेश कुमार बघेल को पुलिस सेवा में समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जा चुका है।



युवतियों को बेचने वाले कथित गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। युवतियों को बहला फुसलाकर अपने जाल में फंसाने और मोटी रकम लेकर बेचने के कथित गिरोह का नजीबाबाद पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने एक युवती को सकुशल बरामद करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवती को बेचने के लिए एक लाख रुपये में सौदा तय किया गया था। आरोपी उसे आगे अधिक कीमत पर बेचने की तैयारी में थे।



पुलिस के मुताबिक, 26 अक्टूबर को एक व्यक्ति ने थाना नजीबाबाद में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि सोनू आदि उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर युवती की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की थी। सोमवार नौ नवंबर को पुलिस टीम ने युवती को सकुशल बरामद कर मुखराम, शिवम, सिमरन उर्फ पूनम, ज्योति, कविता और सोनू को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी सोनू ने बताया कि गिरोह के सदस्य घर से भागकर आने वाली युवतियों और पारिवारिक परेशानियों के कारण घर छोड़ने वाली महिलाओं को अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद शादी नहीं हुए पुरुषों अथवा पत्नी से अलग रह रहे लोगों को मोटी रकम लेकर महिलाओं और युवतियों को बेचने का सौदा करते थे। गिरोह में मुखराम ग्राहकों की तलाश करता था, जबकि शिवम, सिमरन और ज्योति रेलवे स्टेशन तथा बस अड्डों पर युवतियों की तलाश में रहते थे। कविता ग्राहकों से सौदा तय करती थी। पुलिस के मुताबिक, बरामद युवती को हरिद्वार बुलाकर बंधक बनाकर रखा गया था और उसका एक लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। पुलिस ने बस का इंतजार कर रहे सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नीलगाय को बचाने में ट्रक से भिड़ी कार, नोएडा में तैनात उपनिरीक्षक की मौत

शामली (शिखर समाचार)। दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे पर गांव लांक के निकट नीलगाय को बचाने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार नोएडा में तैनात 36 वर्षीय पुलिस उपनिरीक्षक की मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, सहारनपुर जनपद के थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र के गांव घसौली निवासी वैभव कुमार पुत्र प्रीतम सिंह पुलिस विभाग में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात थे। उनकी तैनाती नोएडा के सेक्टर-49 में थी। बताया गया कि वैभव कुमार अपने साथी प्रशांत के साथ कार में सवार होकर घर से नोएडा ड्यूटी पर जा रहे थे। जब उनकी कार दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे पर शामली जनपद के गांव लांक के निकट पहुंची, तभी अचानक सड़क पर नीलगाय आ गई। उसे बचाने के प्रयास में चालक कार से नियंत्रण खो बैठा और कार आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैभव कुमार और प्रशांत गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने वैभव कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रशांत की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने मृतक उपनिरीक्षक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।





घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। वैभव कुमार की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, पुलिस विभाग में भी शोक की लहर दौड़ गई।

संक्षिप्त समाचार

10 को मनाया जाएगा स्वदेशी संकल्प दिवस

लखनऊ, एजेंसी। स्वदेशी जागरण मंच और विभिन्न संगठनों के संस्थापक तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती 10 नवंबर को स्वदेशी संकल्प दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस मौके पर 10 से 15 नवंबर तक सभी जनपदों में स्वदेशी सप्ताह आयोजित किया जाएगा। स्वदेशी व्यापारी मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक एवं अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने बताया कि पिछले वर्ष संगठन ने ठेंगड़ी की जयंती को स्वदेशी संकल्प दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। इस वर्ष भी राजधानी सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्वदेशी से जुड़े कार्यक्रम होंगे। प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल, महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, युवा अध्यक्ष अश्वनि वर्मा और प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम ने बताया कि 10 नवंबर को गांधी प्रतिमा पर व्यापारी स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लेंगे।

अब पूर्व मुख्य सचिव पढ़ाएंगे छात्रों को प्रशासन का पाठ

लखनऊ। प्रशासनिक सेवा का लंबा अनुभव अब लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की पढ़ाई का हिस्सा बनेगा। विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तहत पूर्व मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडेय का पहला चयन किया गया है। वे विद्यार्थियों को लोक प्रशासन और शासन-प्रशासन से जुड़े विषय पढ़ाएंगे। उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव से यूजी और पीजी के छात्रों को कक्षा में किताबी ज्ञान के साथ जमीनी प्रशासन की बारीकियां समझने का अवसर मिलेगा। लविवि की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा के मुताबिक, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए विशेषज्ञों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। इसमें प्रशासन, उद्योग, प्रबंधन और विभिन्न क्षेत्रों में लंबे अनुभव वाले विशेषज्ञों को विश्वविद्यालय से जोड़ने की तैयारी है। सूची में कई सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों के नाम शामिल हैं। इनका चयन भी जल्द किया जा सकता है। अनूप चंद्र पांडेय का प्रशासनिक अनुभव व्यापक रहा है। वे उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव के साथ ही केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। ऐसे में उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थियों को सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक व्यवस्था, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्णय प्रक्रिया जैसे विषयों को समझने में मिलेगा।

मेथी और गोट वीड का पौधा ब्लड शुगर नियंत्रित करने में बेहद असरदार

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के शोधार्थियों ने मधुमेह के इलाज की दिशा में बड़ी सफलता पाई है। गोट वीड और मेथी का उपयोग मधुमेह के खिलाफ कारगर साबित हो सकता है। यह शोध फॉमेसी विभाग के शिक्षक डॉ. शशिभूषण तिवारी और प्रशांत कुमार ने किया है। प्री-क्लिनिकल शोध के दौरान डायबिटीज से पीड़ित चूहों पर इसका बेहद सकारात्मक परिणाम देखा गया है।डॉ. शशिभूषण के अनुसार, रुहेलखंड क्षेत्र में गोट वीड और मेथी का पौधा आसानी से मिल जाता है। इन पौधों का आधुनिक तकनीक से विश्लेषण किया गया तो तीन यौगिक सामने आए। इसमें से एक तत्व स्कुटेलारिन को मधुमेह के कई लक्ष्यों पर एक साथ वार करने में सबसे असरदार पाया गया है। गोटवीड, इंसुलिन और ग्लूकोज कंट्रोल करने में प्रभावी है। गोट वीड शरीर में इंसुलिन सिग्नलिंग और ग्लूकोज के मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त करता है। यह शरीर में तनाव को कम करने और सूजन पैदा करने वाले रास्तों को रोकता है।शोधार्थी प्रशांत ने बताया कि मेथी के पत्तों और बीजों में भरपूर मात्रा में फाइबर, फेनुग्रीकिन, विटामिंस (ए, सी, डी व बी-1) और कैल्शियम, आयरन, जिंक जैसे खनिज पाए जाते हैं। इसके बीज रक्त शर्करा (ब्लड शुगर), फैट और कोलेस्ट्रॉल को तेजी से नियंत्रित करने में मददगार हैं। मेथी में एंटी-बैक्टीरियल और कैंसर से लड़ने वाले गुण भी मौजूद हैं। इन पौधों में मौजूद प्राकृतिक तत्व इंसुलिन प्रणाली को मजबूत करते हैं। भविष्य में मधुमेह के मरीजों के लिए दवाइया तैयार करने में यह शोध एक मजबूत आधार बनेगा।

राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज को चार नए पाठ्यक्रमों की मंजूरी मिली

बरेली। एसआरएम राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज को चार परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए राज्य स्तर पर एनओसी मिल गई है। महाविद्यालय का निरीक्षण होने के बाद ही नेशनल काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिकल सिस्टम (एनसीआईएसएम) महाविद्यालय में सीटों की संख्या निर्धारित करेगी।प्राचार्य प्रीति शर्मा के अनुसार, चार परास्नातक पाठ्यक्रमों में कौमारभृत्य, रसशास्त्र, शरीर संरचना में एमएस व शल्य चिकित्सा में एमडी का कोर्स शुरू होगा। शासन स्तर से शुक्रवार को कॉलेज को अनापत्ति पत्र मिला है। चार नए कोर्स संचालित करने के लिए पर्याप्त मानकों को पूरा करना एक बड़ी चुनौती साबित होने वाला है।इस समय महाविद्यालय में पर्याप्त शिक्षक हैं। 14 विभाग हैं। हर विभाग में प्रोफेसर, रीडर अथवा एसोसिएट प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसरों की संख्या 42 है। आगामी दिनों में एनसीआईएसएम की टीम जब महाविद्यालय आएगी, तब वह निरीक्षण के बाद सीटों का निर्धारण करेगी।बता दें कि पूर्व प्राचार्य डीके मौर्य के समय में भी परास्नातक कोर्स संचालित करने के लिए शासन स्तर पर प्रयास चल रहा था। इस बार शिक्षकों को यह कामयाबी मिली है। अब तक स्नातक स्तर पर करीब 66 सीटों के साथ बीएएमएस का कोर्स संचालित किया जा रहा है। वहीं, ओपीडी में भी प्रतिदिन चार सौ मरीज आ रहे हैं।एसआरएम राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की इमारत व छात्रावास का भवन जर्जर हो चुका है। इसके चलते ही बीते वर्ष छात्रावास को एनसीआईएसएम के मानकों में खरा न उतरने के कारण मानकों से बाहर कर दिया गया। अब मात्र महाविद्यालय की ही इमारत संचालित है। ऐसे में चार नए कोर्स संचालित करने के लिए पर्याप्त प्रयोगशालाएं व कक्षाएं लाना चुनौती होगी। प्राचार्य प्रीति शर्मा का कहना है कि लंबे समय से कॉलेज की इमारत बनवाने के लिए जमीन लेने का प्रयास किया गया।

गोरखपुर, बिहार रूट की ट्रेनों में खचाखच भीड़

सीट के लिए मारामारी, खड़े होकर करनी पड़ी यात्रा

वाराणसी, एजेंसी। दीपावली और छठ के मद्देनजर ट्रेनों में भीड़ का असर रविवार को दीपावली के दिन भी देखने को मिला। कैंट रेलवे स्टेशन से लेकर बनारस रेलवे स्टेशन और वाराणसी सिटी स्टेशन तक सर्कुलेटिंग एरिया से लेकर ट्रेनों में भीड़ सबसे अधिक रही। विशेषकर गोरखपुर और बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनें खचाखच भरी रहीं और सीट के लिए मारामारी करनी पड़ी। दो दिन पहले कैंट स्टेशन पर यात्रियों के बीच मारपीट के बाद रविवार को विशेष सतर्कता बरती गई।

दीपावली पर दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत सहित अन्य जगहों से कोई परिवार के साथ घर लौट रहा है तो बहुत से लोग अकेले यात्रा कर रहे हैं। अब जबकि दीपावली का त्योहार खत्म हो गया है, ऐसे में लोग छठ के लिए घर लौटने लगे हैं। इसी वजह से रविवार को कैंट रेलवे स्टेशन से गोरखपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक-गोरखपुर एक्सप्रेस और चौरीचौरा एक्सप्रेस के साथ ही बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनों के जनरल और स्लीपर कोच में भी खूब भीड़ रही।

स्थिति यह रही कि ज्यादातर लोगों को खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी। इसी तरह का नजारा बनारस रेलवे स्टेशन पर भी दिखा। इस बीच रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ जवानों के साथ ही जीआरपी की टीम भी मुस्तैद रही। सर्कुलेटिंग एरिया से लेकर प्लेटफॉर्म और ट्रेनों तक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों से बार-बार यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से भी की जाती रही।



ट्रेनों में यात्रा के समय सावधानी बहुत जरूरी : डीआरएम

पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशीष जैन ने यात्रियों से ट्रेन में यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। आशीष जैन ने अपनी अपील में कहा कि यात्रा के दौरान ट्रेनों में ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर यात्रा नहीं करनी चाहिए। साथ ही ट्रेन की छत पर बैठकर अथवा दरवाजे पर लटककर यात्रा नहीं करनी चाहिए। यात्रियों से अपील है कि स्टेशनों पर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए पैदल ऊपरीगामी पुल (एफओबी), लिफ्ट या एस्केलेटर का उपयोग करें।

धरना स्थल पर अभ्यर्थियों ने मनाई दीपावली

68500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का 69वें दिन भी आंदोलन जारी

लखनऊ, एजेंसी। 68500 सहायक अध्यापक भर्ती में आरक्षण विसंगति के विरोध में ईको गार्डन में अनवरत धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने दीपावली पर्व अपने घर-परिवार से दूर धरना स्थल पर मनाया। न्याय की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों ने धरना स्थल पर दीप जलाकर और रंगोली बनाकर त्योहार मनाया।

धरने का नेतृत्व कर रहे तूफान सिंह ने बताया कि 68500 शिक्षक भर्ती आरक्षण विसंगति मामले में अभ्यर्थी 69 दिनों से लगातार धरना दे रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्रियों, विभागीय मंत्री और संबंधित अधिकारियों के समक्ष कई बार अपनी बात रख चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपने आदेश में ओबीसी वर्ग को आरक्षित श्रेणी का लाभ देते हुए परिणाम संशोधित करने और नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की बात कही है, लेकिन अभी तक अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिला है। तूफान सिंह ने कहा कि दीपावली खुशियों और परिवार के साथ मनाने का त्योहार है, लेकिन न्याय की उम्मीद में बैठे अभ्यर्थियों को अपना त्योहार भी धरना स्थल पर मनाना पड़ रहा है। जब तक आरक्षण विसंगति का समाधान कर अभ्यर्थियों को न्याय और नियुक्ति नहीं मिल जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आशुतोष वर्मा ने कहा कि विभागीय बैठकों में आरक्षण संबंधी विसंगतियों पर स्थिति स्पष्ट होने के बावजूद अब तक समाधान नहीं हुआ है। सरकार को अभ्यर्थियों की मांगों पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए।अभ्यर्थी रंजना जायसवाल ने कहा कि महिलाएं भी अपने परिवार से दूर धरने पर बैठने को मजबूर हैं। सरकार को अब तक इस मामले में न्याय कर देना चाहिए था।



दिवाली के बाद स्याऊ माता की पूजा, बच्चों की लंबी उम्र की कामना; मंगल गीतों से गूंजे मोहल्ले

आगरा, एजेंसी। फिरोजाबाद के कस्बा खैरगढ़ में दिवाली के पावन पर्व के बाद, महिलाओं ने अपने बच्चों के मंगलमय भविष्य की कामना के लिए विशेष पूजा-अर्चना की। दिवाली के अगले दिन, प्रातः काल उठकर महिलाओं ने गोबर से स्याऊ माता की स्थापना की और सामूहिक रूप से मंगल गीत गाते हुए पूजा-अर्चना की। इस अनूठी परंपरा के अनुसार, महिलाएं दिवाली की रात बीतने के बाद सुबह जल्दी उठकर, बिना घर की सफाई किए, सीधे स्याऊ माता की पूजा करती हैं। गोबर से माता की प्रतिमा स्थापित की जाती है। इसके बाद, महिलाएं समूह में बैठकर दीप प्रज्वलित करती हैं, मंगल गीत गाती हैं और बारी-बारी से पूजा करती हैं। पूजा के दौरान मिठाई का भोग लगाया जाता है और लंबी आयु की कामना की जाती है। पूजा के समापन पर आरती उतारी जाती है और प्रसाद वितरण किया जाता है।महिलाओं का कहना है कि यह पूजा विशेष रूप से छोटे और बड़े बच्चों के कल्याण और मंगल कामना के लिए की जाती है। इस परंपरा के माध्यम से वे अपनी संतान के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना करती हैं।

झोलाछाप डाक्टरों व अवैध क्लीनिकों पर रोक के मामले में हाईकोर्ट सख्त, केंद्र-राज्य सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ । हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में झोलाछाप डाक्टरों व अवैध क्लीनिकों पर रोक के मामले में सख्त रुख अपनाया है। लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े इस अहम मामले में कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। मामले में अयोग्य चिकत्सकों समेत बड़ी तादात में बिना लाइसेंस चलने वाली क्लीनिकों के खिलाफ सख्त कारवाई किए जाने की मांग की गई है।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश तुलसा देवी सेवा संस्थान की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया। याचिका में ऐसे अवैध डाक्टरों व क्लीनिकों के खिलाफ कारवाई करने समेत लोगों के स्वास्थ्य के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मंजूरी दिए जाने का आग्रह किया गया है। साथ ही इनसे लोगों की हिफाजत करने की भी मांग की गई है। याची संस्थान की ओर से कहा गया कि मौजूदा समय में हर जगह अयोग्य झोला छाप डाक्टर और बगैर लाइसेंस की क्लीनिकों की बाढ़ आ गई है।



इनपर रोकथाम के प्रभावी इंतजाम न होने से लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ रही है। ऐसे में लोगों की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधानों के तहत इन अवैध डाक्टरों और क्लीनिकों की खिलाफ सख्त कारवाई की जानी चाहिए। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील समेत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के वकील भी पेश हुए। कोर्ट ने मामले में केंद्र और राज्य सरकार समेत अन्य पक्षकारों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने इस याचिका को समान मामले में लंबित अन्य जनहित याचिका के साथ संबद्ध कर पेश करने का भी निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

पुराना डीएल ऑनलाइन नहीं हो रहा, विभाग कह रहा नया बनवा लो, आरटीओ के चक्कर काट रहे लोग

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में वर्षों पहले बनवाए गए ड्राइविंग लाइसेंस को ऑनलाइन रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए लोगों को आरटीओ के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। तीन महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी पुराने लाइसेंसों का ऑनलाइन अप्रूवल नहीं हो पा रहा है। हैरानी की बात यह है कि समस्या का समाधान करने के बजाय आवेदकों को नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की सलाह दी जा रही है। इससे पहले से मैनुअल लाइसेंस रखने वालों की परेशानी बढ़ गई है।

कानपुर में एक हजार से अधिक बैकलॉग ड्राइविंग लाइसेंस मुख्यालय की मंजूरी के इंतजार में अटके हैं। आरटीओ कार्यालय में आवेदन और दस्तावेज की डेटा फीडिंग होने के बावजूद ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट नहीं हो रहा है। आवेदकों को कभी कर्मचारियों से जानकारी लेने तो कभी मुख्यालय से अप्रूवल मिलने का इंतजार करने को कहा जाता है। परिवहन विभाग ने पुराने मैनुअल ड्राइविंग लाइसेंस को डिजिटल रिकॉर्ड से जोड़ने की व्यवस्था शुरू की थी।



नया डीएल क्यों बनवाना पड़ रहा है

जून 2026 में जारी दिशा-निर्देशों के बाद अंतिम अप्रूवल का अधिकार स्थानीय आरटीओ से हटाकर मुख्यालय को दे दिया गया। अगस्त से स्थानीय स्तर पर अप्रूवल बंद है। अब आरटीओ कार्यालय केवल रिकॉर्ड की फीडिंग कर सकता है, जबकि अंतिम मंजूरी मुख्यालय से मिलनी है। लाइसेंसधारकों का सवाल है कि पहले से लाइसेंस होने के बावजूद उन्हें नया डीएल क्यों बनवाना पड़ रहा है। ऑनलाइन रिकॉर्ड नहीं होने से दस्तावेज के सत्यापन और लाइसेंस से जुड़ी अन्य प्रक्रियाओं में भी परेशानी हो सकती है।

पुराने लाइसेंस को डिजिटल करने की व्यवस्था का मकसद लोगों को सुविधा देना था। अप्रूवल की प्रक्रिया मुख्यालय में अटकने से यह परेशानी आ रही है। मुख्यालय को पत्र लिखा गया है। जल्द अप्रूवल मिलेगा।

गुलाबी ठंड के बीच राजधानी की हवा बिगड़ी

लखनऊ। सुबह और शाम की हल्की ठंड के साथ राजधानी में गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। मौसम में बदलाव के बीच हवा की गुणवत्ता भी बिगड़ने लगी है। शनिवार को अलीगंज, लालबाग और तालकटोरा का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के पार पहुंच गया। तीनों इलाकों में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिन सुबह हल्का कोहरा और धुंध छाई रह सकती है। दिन के तापमान में खास बदलाव के आसार नहीं हैं, जबकि रात के तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल दिन का मौसम सामान्य रहेगा और सुबह-शाम हल्की ठंड बनी रहेगी। शनिवार को अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों तापमान शुक्रवार के करीब बराबर रहे।



शहर के तीन इलाकों में एक्यूआई 200 पार

शनिवार को राजधानी के सभी छह वायु गुणवत्ता मापक केंद्रों पर हवा की गुणवत्ता औसत से खराब रही। अलीगंज, लालबाग और तालकटोरा में एक्यूआई 200 से ऊपर दर्ज हुआ। वहीं, बीबीएयू, गोमतीनगर और कुकरैल में हवा मध्यम श्रेणी में रही।

बाढ़ का पानी उतर गया साहब, पुलिया बनवा दीजिए

मौजूदा पुलिया से पानी की निकासी धीमी होती है, इससे लासा के आसपास जलभराव बना रहता है

लखनऊ। बख्शी का तालाब तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान बाढ़ प्रभावित लासा और अकड़रिया गांव के ग्रामीणों ने डीएम विशाख जी से इटौंजा-माल रोड पर पुलिया बनवाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि साहब, आपने वादा किया था। अब पुलिया बनवा दीजिए, इससे बाढ़ प्रभावित कई गांवों को राहत मिलेगी।

ग्रामीणों के मुताबिक, मौजूदा पुलिया से पानी की निकासी धीमी होती है। इससे लासा के आसपास जलभराव बना रहता है और रबी की फसल की बुवाई प्रभावित होती है। ग्रामीणों ने हरिजन बस्ती का खराब रास्ता बनवाने की शिकायत भी सीडीओ के सामने रखी। इस पर सीडीओ ने बीडीओ पूजा पांडेय को जांच सौंपी। शिवपुरी गांव में अमृत सरोवर निर्माण में सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला भी डीएम के सामने उठाया गया।



राजधानी की पांचों तहसीलों में आयोजित समाधान दिवस में कुल 312 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 56 का मौके पर निस्तारण किया गया। डीएम नबख्शी का तालाब में 33 मामलों का निस्तारण किया। शेष शिकायतों को एक सप्ताह में निपटाने और शिकायतकर्ताओं से फोन पर फीडबैक लेने के निर्देश दिए।

वहीं, सरोजनीनगर तहसील में समाधान दिवस के दौरान कई अधिकारी नदारद रहे और फरियादियों की संख्या भी कम रही। एसडीएम अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अमौसी गांव की शीतला देवी सेवा समिति परिसर पर अवैध कब्जे और बंथरा के सरैया गांव में सरकारी जमीन पर निर्माण की शिकायतें आईं। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। उधर, मोहनलालगंज में एसडीएम आकाश सिंह के हस्तक्षेप से 70 वर्षीय गंगाराम की आठ महीने से बंद वृद्धावस्था पेंशन दिवाली से पहले बहाल हो गई।

कुंभ-2027 की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त सख्त, घाटों से लेकर शिविर क्षेत्रों तक काम तेज करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए गढ़वाल मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने सोमवार को हरिद्वार में विभिन्न निर्माण एवं अनुरक्षण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद डाम कोठी में अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवाजाही और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मंडलायुक्त ने सबसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी राज्य अतिथि गृह में चल रहे अनुरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया और कुंभ से पहले इसे पूरी तरह व्यवस्थित एवं सुसज्जित करने के निर्देश दिए। भगत सिंह चौक पर निमार्णाधीन फुटपाथ का जायजा लेते हुए पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा। अमरापुर घाट और नगर निगम घाट पर निरीक्षण के दौरान उन्होंने शेष निर्माण कार्यों के साथ घाटों की साज-सज्जा एवं सौंदर्यीकरण शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। अमरापुर घाट के निकट हरित क्षेत्र की रेलिंग और सीवर लाइन के लिए बने पुल की रंगाई-पुताई कराने को भी कहा।



इसके बाद बैरागी कैंप, दक्षद्वीप, सतीद्वीप और गौरीशंकर क्षेत्र में अस्थाई सड़कों, पार्किंग, पुलों, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी सेक्टरों में निर्माण और अस्थाई व्यवस्थाओं के कार्य समानांतर रूप से संचालित करने पर जोर दिया। चेतावनी दी कि देरी या लापरवाही मिलने पर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट तस्वीरों सहित देने और ऑनलाइन कार्य प्रगति विवरण अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए।

समीक्षा बैठक में मेलाधिकारी सोनिका ने बताया कि घाटों के जलमग्न हिस्सों का निर्माण एवं मरम्मत पूरा करा लिया गया है। शिविर क्षेत्रों में अस्थाई सड़कों, पेयजल और विद्युत व्यवस्था के कार्यों में 70 प्रतिशत से अधिक प्रगति हो चुकी है। स्थायी एवं अस्थाई पुलों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। हरिद्वार में प्रकाश व्यवस्था मजबूत करने के लिए परियोजना कार्यान्वयन इकाई और नगर निगम के माध्यम से लगभग 2,500 लाइटें लगाई जा रही हैं, जिनमें सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटें भी शामिल हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, उप मेलाधिकारी आकाश जोशी, मनजीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया एनटीपीसी का स्थापना दिवस

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र स्थित एनटीपीसी विद्युत परियोजना का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख समीर शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह को संबोधित करते हुए परियोजना प्रमुख समीर शर्मा ने विद्युत परियोजना की वर्षों की गौरवशाली यात्रा, उसकी प्रमुख उपलब्धियों और देश के विद्युत क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्युत उत्पादन, परिचालन दक्षता, बायोमास सह-दहन और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में एनटीपीसी द्वारा किए जा रहे सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की। साथ ही, उन्होंने सभी कर्मचारियों से सुरक्षा, टीम भावना और पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करते हुए संस्थान को देश में सर्वोच्च स्थान पर बनाए रखने का आह्वान किया। इस दौरान उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर महाप्रबंधक संजय कुमार सहित परियोजना के तमाम वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नालासा का उद्देश्य: न्याय से कोई न रहे वंचित - अशोक



हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर जनपद में एक विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार प्रथम के निर्देशन और सचिव डॉ. ब्रह्मपाल सिंह के मार्गदर्शन में यह शिविर शहर के सिकंदर गेट स्थित पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम चौक पर लगाया गया। शिविर को संबोधित करते हुए पैरालीगल वालंटियर (पीएलवी) अशोक कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का कोई भी नागरिक न्याय से वंचित न रहे, क्योंकि न्याय पाना हर व्यक्ति का अधिकार है। इसी उद्देश्य के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समय-समय पर जागरूकता शिविरों और रैलियों के माध्यम से आमजन को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक कर रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी दिसंबर माह तक विशेष मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत वैवाहिक विवाद, भरण-पोषण, उपभोक्ता विवाद, घरेलू हिंसा, शमनीय अपराध, ऋण वसूली, संपत्ति का बंटवारा और भूमि अधिग्रहण जैसे मामलों का आपसी समझौते के आधार पर सुगमता से निपटारा किया जा सकता है। इसके अलावा, किसी भी गरीब या असहाय व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर प्राधिकरण की ओर से मुफ्त पैनल अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाता है। शिविर में पीएलवी अनुज कुमार ने मेगा शिविरों के माध्यम से मिलने वाली विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को नालसा की हेल्पलाइन नंबर 15100, मध्यस्थता अभियान, लोक अदालत और विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सोसायटी के चेयरमैन दानिश कुरैशी और सभासद मुशीर अहमद का विशेष सहयोग रहा।

दीपावली पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने कर्मचारियों को बांटे 20 लाख रुपये के उपहार



जेवर (शिखर समाचार)। दीपावली के पावन पर्व पर जेवर नगर पंचायत अध्यक्ष पहलवान नारायण माहेश्वरी ने अनोखी दरियादिली दिखाते हुए नगर पंचायत के सैकड़ों कर्मचारियों को लगभग 20 लाख रुपये मूल्य की उपहार सामग्री वितरित की। इस दौरान कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ पुष्पवर्षा कर और पगड़ी पहनाकर अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया।

दीपावली के दिन मोहल्ला काजीवाड़ा स्थित कोट कॉलोनी में बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी एवं कस्बे के लोग एकत्रित हुए थे। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने सभी कर्मचारियों को कंबल, बर्तन, वस्त्र, जूस के पैकेट, नमकीन और मिठाई सहित कई उपयोगी उपहार भेंट किए।

इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि वे जनता के सेवक हैं और उनकी सेवा के लिए सदैव तत्पर हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि यदि कस्बे का कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति दीपावली मनाने में असमर्थ है, तो वह बेझिझक उनसे आकर आर्थिक सहायता या आवश्यक सामान प्राप्त कर सकता है। उनकी मंशा है कि उनके कार्यकाल में कस्बे का कोई भी परिवार ऐसा न रहे, जो धूमधाम से दीपावली न मना सके। अध्यक्ष की इस दरियादिली और स्नेह से उपहार पाने वाले सभी कर्मचारी गदगद हो उठे।

खेत पर सो रहे किसान की हत्या, बदमाशों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियार से की निर्ममता



रबूपुरा (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत खेतों में धान की फसल की रखवाली कर रहे एक किसान की अज्ञात बदमाशों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से निर्मम हत्या कर दी। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब रविवार सुबह परिजन खेत पर पहुंचे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और घटना के अनावरण के लिए कई विशेष टीमों का गठन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर निवासी 54 वर्षीय इस्माइल गांव रुस्तमपुर के पास राजवाहे के किनारे पट्टे पर खेत लेकर खेती-बाड़ी करते थे। इन दिनों उनके खेत में धान की कटाई और मड़ाई का कार्य चल रहा था, जिसके चलते वे रात में फसल की रखवाली के लिए खेत पर ही सोते थे। शनिवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे उनका बेटा उन्हें खाना देकर वापस गांव लौट गया था।

रविवार सुबह करीब आठ बजे जब उनके बेटे इस्राईल और सोहेल चाय-नाश्ता लेकर खेत पर पहुंचे, तो उन्होंने अपने पिता का लहूलुहान शव चारपाई के पास पड़ा देखा। मृतक के सिर और शरीर पर धारदार हथियार तथा डंडों से किए गए हमलों के कई गहरे निशान थे और पास ही खून से सना एक डंडा भी बरामद हुआ। इस सनसनीखेज घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई।

सूचना पाकर स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए। परिजनों ने बताया कि घटना से पहले खेत पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली खाली थी, लेकिन सुबह वह धान से भरी हुई मिली और ट्रैक्टर की बैटरी भी गायब थी। परिजनों का कहना है कि मृतक की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। मृतक के बेटे इस्राईल की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी पहलुओं को खंगालकर इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया जाएगा।

जिले में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पर्व

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के शहरी और ग्रामीण अंचलों में गोवर्धन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने घरों में गोबर से गोवर्धन महाराज की पारंपरिक आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार में सुख-शांति की मनोकामना की। वहीं पशुपालकों ने अपने मवेशियों के गले में आकर्षक मालाएं बांधीं तथा घरों में विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। बुधवार को पर्व के दिन महिलाओं ने सुबह से ही घरों की साफ-सफाई कर गोबर से गोवर्धन महाराज की सुंदर आकृति का निर्माण किया।



इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों ने एकजुट होकर भजन-संकीर्तन किया और शाम के समय गोवर्धन महाराज की आरती कर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। उधर, प्रतिवर्ष की भांति मोहल्ला छज्जूपुरा में प्रदीप सैनी के आवास पर गोवर्धन पर्व के उपलक्ष्य में भजन संकीर्तन का आयोजन हुआ। संकीर्तन में गायकों ने मनमोहक भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर पशुपालकों ने अपने पशुओं का विशेष शृंगार कर उनके गले में रंग-बिरंगी सुंदर मालाएं डालीं। इसके अलावा लोगों ने सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से एक-दूसरे को गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने मारपीट कर पर्स लूटने वाले चार आरोपियों को किया गिरफ्तार



गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस ने उत्तराखंड निवासी मिहिर गुप्ता के साथ मारपीट कर उनकी गाड़ी में रखा पर्स लूटने की घटना का सफल खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 9,240 रुपये नकद, दो पहचान पत्र और वारदात में प्रयुक्त वैगनआर कार बरामद कर ली है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित मिहिर गुप्ता के साथ हुई मारपीट और चोरी की घटना की शिकायत पर पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बागड़पुर तिराहे के पास से चारों संदिग्धों को धर दबोचा। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान आशीष निवासी शाहपुर चौधरी (थाना गढ़मुक्तेश्वर), शिवम निवासी चांदनेर (थाना बहादुरगढ़), अतुल चौहान निवासी शाहपुर चौधरी तथा विशाल कुमार निवासी विजय नगर (गाजियाबाद) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, जिसके बाद उनके पास से लूटी गई नकदी और अन्य सामान बरामद किया गया। गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

युवाओं को रोजगार न मिलने की पीड़ा जताकर पीसीएस अधिकारी उत्तम कुमार ने लिया वीआरएस



हरिद्वार (शिखर समाचार)। हरिद्वार सहित प्रदेश के कई जिलों में जिला सेवायोजन अधिकारी के रूप में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले पीसीएस अधिकारी उत्तम कुमार ने सरकारी सेवा से विदाई ले ली है। सरकार ने उनका त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) दे दिया है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध न करा पाने का मलाल उनकी इस विदाई के पीछे प्रमुख वजह के रूप में सामने आया है। उत्तम कुमार ने अपनी फेसबुक आईडी पर टिप्पणी करते हुए लिखा, ह्लजब रोजगार ही नहीं दे पा रहे हो तो काहे के रोजगार अधिकारी रहना ह्व उनकी इस टिप्पणी को रोजगार व्यवस्था पर सवाल उठाने के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तम कुमार ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पवित्र पुण्य दिवस पर आई यह खबर नए रास्ते और नई मंजिल की ओर बढ़ने का हौसला देगी। उन्होंने लंबे समय तक सेवायोजन विभाग में काम किया। इस दौरान विभाग की ओर से कंपनियों को आमंत्रित कर रोजगार मेले आयोजित किए जाते रहे, लेकिन युवाओं को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर उनके मन में असंतोष रहा। उनकी टिप्पणी के बाद सेवायोजन विभाग की कार्यप्रणाली और रोजगार मेलों की उपयोगिता को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

अब उत्तम कुमार राजनीति में जाएंगे या कोई अन्य व्यवसाय अपनाएंगे, यह भविष्य में स्पष्ट होगा। हालांकि, उनके अगले कदम को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। विभाग में उनकी पहचान एक सहज और सहयोगी अधिकारी के रूप में रही। बताया जाता है कि समस्या लेकर आने वाले लोगों की बात सुनकर वे तत्काल समाधान कराने का प्रयास करते थे। उनके व्यवहार और कार्यशैली की विभाग में आने वाले लोग सराहना करते रहे हैं।

एस.जी. शिखर हाइट्स में भव्य दीपोत्सव एवं रंगोली कार्यक्रम संपन्न



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में एस.जी. शिखर हाइट्स, सिद्धार्थ विहार में 1008 दीपों के प्रज्वलन और सामूहिक रंगोली का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्सव में सोसाइटी के निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे परिसर को दीपों की रोशनी से जगमगा दिया। कार्यक्रम के तहत सोसाइटी के सेंट्रल पार्क के चारों ओर निवासियों ने मिलकर 1008 दीप प्रज्वलित किए। इसके साथ ही विभिन्न भवनों के मुख्य द्वारों और मंदिर प्रांगण में सामूहिक रूप से आकर्षक और सुंदर रंगोलियाँ बनाई गईं, जिन्होंने परिसर की रौनक में चार चांद लगा दिए। इस आयोजन में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। दीपों की जगमगाहट और रंगोलियों की कलात्मक सुंदरता ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया, जिससे निवासियों के बीच आपसी प्रेम, एकता और सामाजिक सौहार्द का एक सुंदर संदेश प्रसारित हुआ।आयोजकों ने इस सफल और भव्य आयोजन में अपना सहयोग देने वाले सभी निवासियों का आभार व्यक्त किया है। एस.जी. शिखर हाइट्स निवासी परिवार की ओर से क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

गाजियाबाद के गद्दे और प्लाईवुड गोदाम में लगी भीषण आग, अग्निशमन टीम ने पाया काबू



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पटेल नगर सेकेंड में सुशीला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के पीछे स्थित एक प्लाईवुड और गद्दे के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब 18:53 बजे एमडीटी (टऊळ) के माध्यम से फायर स्टेशन कोतवाली को सूचना मिली कि पटेल नगर सेकेंड में हॉस्पिटल के पीछे गद्दों और सोफे के गोदाम में आग लग गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी (एफएसओ) के कुशल नेतृत्व में तत्काल तीन फायर टैंकर घटनास्थल के लिए रवाना किए गए। मौके पर जाकर देखा गया कि टीन शेड में बने 'वुडन क्राफ्ट' नाम के गोदाम (प्लॉट नंबर ए-41) में रखी प्लाईवुड और गद्दों में तेज आग धधक रही थी।

फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए एमएफई से होज पाइप फैलाकर आग पर पानी की बौछारें शुरू कीं। अग्निशमन कर्मियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए टीन शेड गोदाम के भीतर प्रवेश किया और कुछ ही समय में आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया। अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आसपास स्थित रिहायशी मकानों को सुरक्षित बचा लिया गया।

घटना के समय गोदाम मालिक अरविंद बंसल मौके पर मौजूद नहीं थे। प्राथमिक जांच के अनुसार आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि गोदाम में रखा काफी सामान जलकर खाक हो गया।

दीपावली पर दीपों और आतिशबाजी से जगमगाया रामपुर मनिहारान, शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ प्रकाश पर्व

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर एवं देहात क्षेत्र में प्रकाश पर्व दीपावली पूरी धार्मिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं बच्चों और युवाओं ने आतिशबाजी कर त्योहार की खुशियां मनाईं। रविवार को अमावस्या के अवसर पर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों ने दिन के समय अपने आराध्य देवी-देवताओं के स्थानों पर पहुंचकर श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजन किया। शाम होते ही घरों और प्रतिष्ठानों में दीप जलाए गए। रात्रि में परिवारों ने विधि-विधान के साथ हवन और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां साझा कीं। पटाखे जलाने के शौकीन बच्चों, युवाओं और अन्य लोगों ने जमकर आतिशबाजी की, जिससे देर रात तक क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा। प्रकाश पर्व के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना कोतवाली क्षेत्र में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौराहों तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती। पुलिस की निगरानी के चलते दीपावली का पर्व पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

संपादकीय

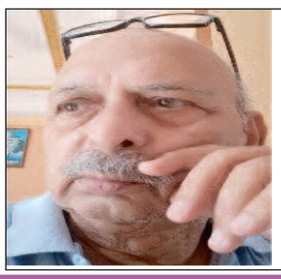
जहरीली हवा में घुटता दिल्ली-एनसीआर, आखिर कब जागेगा जिम्मेदार तंत्र?

दिल्ली-एनसीआर की सुबह एक बार फिर ऐसी धुंध में लिपटी है, जिसमें सूरज की रोशनी कमजोर और सांस लेना मुश्किल हो गया है। दृश्यता कम होने से सामान्य आवाजाही भी जोखिम भरी है। नौ नवंबर 2026 को राजधानी की वायु गुणवत्ता ने गंभीर चिंता पैदा कर दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुबह के आंकड़ों में दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 368 के आसपास रहा, जबकि कई निगरानी केंद्रों पर यह 400 के पार पहुंचा। कुछ रिपोर्टों में अलग समय और अलग मापन स्रोतों के आधार पर इससे भी ऊंचे आंकड़े सामने आए। यह संकट की गंभीरता को दर्शाता है। दीपावली के बाद पटाखों के धुएं ने पहले से खराब हवा पर अतिरिक्त बोझ डाला है। सर्वोच्च न्यायालय ने सात और आठ नवंबर को सीमित समय में प्रमाणित कम प्रदूषण वाले पटाखों की अनुमति दी थी और नौ नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध बहाल होना था। इसके बावजूद निर्धारित समय के बाहर आतिशबाजी और नियमों की अनदेखी की खबरें बताती हैं कि आदेश जारी करना और उनका पालन कराना दो अलग बातें हैं। त्योहार की खुशी किसी दूसरे की सांसों पर भारी नहीं पड़नी चाहिए, लेकिन पूरा दोष पटाखों पर डालना भी वास्तविकता से आंखें मूंदना होगा। दिल्ली की हवा दमघोंटू होने के पीछे अनेक स्रोत हैं। वाहनों का धुआं, निर्माण स्थलों और सड़कों की धूल, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना, ऊर्जा संयंत्रों से निकलने वाला धुआं और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं मिलकर प्रदूषण का स्तर बढ़ाती हैं। सर्दियों में हवा की गति कम होने, तापमान में गिरावट और वातावरण की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के नजदीक ठहर जाते हैं। यह पूरे क्षेत्र की साझा चुनौती है; हवा प्रशासनिक सीमाएं नहीं मानती। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने छह नवंबर से पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ग्रैप का तीसरा चरण लागू किया। इसके अंतर्गत प्रदूषणकारी निर्माण गतिविधियों पर रोक, कुछ वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध और अन्य सख्त कदम उठाए जाते हैं। प्रतिबंधों के बावजूद हवा का दम घुटने से सवाल उठता है क्या हमारी व्यवस्था प्रदूषण रोकने के लिए पहले से तैयारी करती है या हालात बिगड़ने के बाद आदेश जारी करके अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेती है? अनुमानित संकट के लिए तैयारी महीनों पहले क्यों नहीं होती?

इसका सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और सांस तथा हृदय संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों को भुगतना पड़ता है। स्वस्थ व्यक्ति भी आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी और सांस लेने में परेशानी महसूस कर सकता है। सूक्ष्म कण फेफड़ों में गहराई तक पहुंचकर स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धुंध कुछ दिनों की असुविधा नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य पर भारी बोझ है। गरीब परिवार महंगे वायु शोधक नहीं खरीद सकते और काम छोड़कर घरों में भी नहीं रह सकते। कम दृश्यता का असर भी व्यापक है। सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है, रेलगाड़ियों और विमानों के संचालन में देरी या बदलाव की आशंका पैदा होती है। श्रमिक, विद्यार्थी, मरीज और छोटे कारोबारी प्रभावित होते हैं। प्रशासन यातायात परामर्श जारी करे, अस्पताल तैयार रखे और संवेदनशील लोगों तक स्वास्थ्य निर्देश पहुंचाए। नागरिक अनावश्यक बाहर निकलने, खुले में व्यायाम और कचरा जलाने से बचें। मास्क और सावधानी तत्काल जोखिम घटा सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा का विकल्प नहीं हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

सफल होने के लिए जरूरी है हम जान लें कि।
हम चाहते क्या हैं और हम कर क्या सकते हैं।



© विनय संकोची

जलवायु सम्मेलन से भारत की उम्मीदें और चुनौतियां



राज कुमार सिन्हा

जलवायु परिवर्तन आज पूरी मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह केवल पर्यावरण का सवाल नहीं, बल्कि मानव जीवन, खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ विषय है। तुर्की में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन कोप -31 की शुरुआत कल 9 से 20 नवंबर के बीच अंताल्या शहर में प्रारंभ हो गया है। इस गंभीर वैश्विक चुनौती के बीच सम्मेलन से दुनिया को उम्मीद है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस और प्रभावी फैसले लिए जाएंगे। तुर्की को आधुनिक और पर्यावरण-सचेत देश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वह इस सम्मेलन का आधिकारिक मेजबान है। लेकिन सवाल यह है कि क्या टिकाऊ विकास और जलवायु परिवर्तन को कम करने की राह इतनी आसान होगी? क्या दुनिया के विकसित और विकासशील देश अपने आर्थिक हितों से ऊपर उठकर पृथ्वी के भविष्य के लिए साझा जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं?यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विभिन्न देशों और क्षेत्रों को एक मंच पर लाकर बातचीत, सहयोग और निर्णय प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है।कोप - 31 महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि इसमें वैश्विक जलवायु कार्यवाही को तेज करने, देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा पूरी दुनिया में जलवायु न्याय, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास को आगे बढ़ाने पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।यह ऐसा सम्मेलन है जहां देशों को अपने जलवायु लक्ष्यों पर कठोर और ठोस निर्णय लेने होंगे। पेरिस समझौते (2015) के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल वादों और घोषणाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके परिणाम जमीन पर दिखाई देने चाहिए।कार्बन उत्सर्जन लगातार बढ़ रहा है। दुनिया ने वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का वादा किया था, लेकिन मौजूदा नीतियों और उत्सर्जन की गति के कारण विश्व 2.4 से 2.8 डिग्री सेल्सियस तक तापमान वृद्धि की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। यह स्थिति पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है। इसलिए उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में देशों पर नए और अधिक कठोर राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्य घोषित करने का दबाव बनेगा। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से चरणबद्ध तरीके से बाहर निकलने की स्पष्ट समय-सीमा तय करने की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण मुद्दा होगी। इसके साथ ही भारत, ब्राजील, अफ्रीकी देशों और छोटे द्वीपीय देशों जैसे विकासशील राष्ट्रों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अधिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने पर भी गंभीर निर्णय लेने होंगे।भारत के लिए कोप -31 केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नहीं है, बल्कि अपने पर्यावरणीय भविष्य और विकास की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर भी है। भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसकी ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। एक ओर देश औद्योगिक विकास, शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभाव भी झेल रहा है।भारत में बढ़ती गर्मी, भीषण लू, अनियमित मानसून, कम समय में अत्यधिक बारिश, बाढ़, सूखा और चक्रवात जैसी घटनाएं जलवायु संकट की गंभीरता को उजागर कर रही है। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का पिघलना, नदियों के जल प्रवाह में बदलाव और समुद्र के बढ़ते जलस्तर से तटीय क्षेत्रों पर खतरा बढ़ रहा है। इसका सीधा असर कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और करोड़ों लोगों की आजीविका पर पड़ रहा है।भारत की बड़ी आबादी कृषि और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है। विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों का जीवन जंगल, जमीन, नदियों और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ा हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण जंगलों में आग, जलस्रोतों का सूखना, जैव विविधता का नुकसान और खेती की उत्पादकता में गिरावट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसलिए भारत की जलवायु नीति में इन समुदायों के पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों पर उनके अधिकारों और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।भारत ने सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु कार्यवाही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। लेकिन दूसरी ओर कोयला आधारित बिजली उत्पादन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता अभी भी एक बड़ी चुनौती है। विकास के नाम पर नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, बड़े बांधों, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करते समय उनके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गंभीर मूल्यांकन जरूरी है। केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना ही विकास का पैमाना नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि ऊर्जा उत्पादन की कीमत कौन चुका रहा है और उसका लाभ किसे मिल रहा है।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में ऊर्जा नीति का आधार विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा होना चाहिए। गांवों, पंचायतों और स्थानीय समुदायों को सौर ऊर्जा उत्पादन से जोड़ना, कृषि में स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाना, ऊर्जा भंडारण की व्यवस्था विकसित करना और बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत करना समय की मांग है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर आदिवासी क्षेत्रों के जंगलों, कृषि भूमि और सामुदायिक संसाधनों का अधिग्रहण भी स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। स्वच्छ ऊर्जा का विकास तभी न्यायपूर्ण कहा जा सकता है, जब उससे स्थानीय समुदायों के अधिकारों और आजीविका की रक्षा हो। कोप -31 में भारत की भूमिका केवल अपने राष्ट्रीय हितों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। भारत को विकासशील देशों की उस मांग को मजबूती से उठाना चाहिए कि जलवायु संकट के लिए ऐतिहासिक रूप से अधिक जिम्मेदार विकसित देश अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करें और विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय तथा तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएं। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित वे समुदाय हैं, जिनका वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है। अफ्रीका के गरीब देश, छोटे द्वीपीय राष्ट्र, एशिया के किसान, मछुआरे, आदिवासी और वनवासी समुदाय इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

भारत-पाक राजनीतिक संबंध सुधारने का आ गया समय?



डॉ हिदायत अहमद खान

दुनियां के प्रमुख शक्तिशाली देशों में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों ने विकासशील देशों के लिए चेतावनी देने का काम किया है। एक तरफ जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यावधि चुनाव में करारी हार को लेकर चर्चाएं आम हैं वहीं दूसरी तरफ इजरायल में नेतन्याहू को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने से साफ संदेश दुनिया को मिला है कि आमजनता हिंसा और युद्ध में विश्वास नहीं करती है। इससे पहले बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों की सरकारों को तो युवाओं ने ही आंदोलन के जरिये बाहर का रास्ता दिखा दिया था। मतलब साफ है सभी देशों के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ ही देश में सुख-शांतिपूर्ण वाला विकास चाहिए। भौगोलिक सीमाओं से परे सभी शांति चाहते हैं, लेकिन राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं ऐसा करने में बैरियर्स बनती हैं। भारत और पाकिस्तान का ही उदाहरण ले लें। दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक मुश्किलों की दो तस्वीरें इन दिनों सामने हैं। पाकिस्तान की ओर से अपना हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण एयर इंडिया के परिचालन पर पड़ रहे असर का हवाला देते हुए कंपनी के सीईओ टेवोल्डे नुकसान का हिसाब गिना रहे हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान में पाक-भारत बिजनेस कार्उंसिल के चेयरमैन नूर मोहम्मद कसूरी भारत के साथ व्यापार बंद होने से अपने देश को हुए करीब 40 अरब डॉलर के नुकसान का दावा करते हुए कारोबार बहाल करने की भावुक अपील कर रहे हैं। इन दोनों बयानों के बीच एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि आखिर दोनों देशों के बीच तनाव की कीमत कब तक आम लोगों, कारोबारियों और अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ेगी?

एयर इंडिया के सीईओ का कहना है कि पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण कंपनी को अपने उड़ान मार्गों और नेटवर्क की योजना बदलनी पड़ रही है। उनके मुताबिक, इस समस्या से कंपनी के प्रतिस्पर्धी विमानन समूह प्रभावित नहीं हैं। यानी एक ही क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियां भी समान नहीं रह गई हैं। इसके अलावा पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और ईंधन की कीमतों में पिछले साल के मुकाबले दोगुने से अधिक वृद्धि ने विमानन उद्योग की मुश्किलें बढ़ाई हैं। एयर इंडिया इसे अल्पकालिक चुनौती मानते हुए भविष्य में मजबूती से उभरने की बात कर रही है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं रहता। इसका बोझ अंततः परिचालन लागत, टिकट की कीमतों और यात्रियों पर भी पड़ सकता है। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के कारोबारी जगत से उठ रही आवाज भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। नूर मोहम्मद कसूरी का दावा है कि भारत के साथ व्यापार बंद होने से पाकिस्तान को लगभग 40 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा और व्यापारिक संबंधों पर रोक लग गई। इसके बाद पाकिस्तान के कारोबारियों को कच्चे माल और जरूरी वस्तुओं के लिए दूरस्थ देशों का रुख करना पड़ा। ब्राजील, चीन, मिस्र और अमेरिका जैसे देशों से आयात करने के कारण परिवहन खर्च बढ़ा और आपूर्ति में अधिक समय लगने लगा। इसका सीधा असर उत्पादन लागत और उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पर पड़ा।

कसूरी ने पाकिस्तान के दवा और कपड़ा उद्योगों का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत से कच्चे माल की आपूर्ति बहाल होने पर दवा उद्योग सालाना दो से तीन अरब डॉलर बचा सकता है। कपड़ा उद्योग को कपास की आपूर्ति के लिए दूर के बाजारों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त खर्च बढ़ा है। चीनी, खाद्य पदार्थ, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, लोहा-स्टील, सब्जियां और भारी मशीनरी जैसी वस्तुओं के मामले में भी भारत की भौगोलिक निकटता पाकिस्तान के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी हो सकती है। कसूरी की अपील का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि वे अपनी सरकार से घरेलू कपास उत्पादन बढ़ाने के लिए बेहतर कृषि नीतियां बनाने की मांग कर रहे हैं। इससे जाहिर होता है कि व्यापार बहाली के साथ घरेलू आर्थिक कमजोरियों को दूर करना भी जरूरी है।

हालांकि, यह समझना होगा कि भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापार केवल आर्थिक गणित का मामला नहीं है। आतंकवाद, सीमा पार हिंसा और सुरक्षा संबंधी चिंताएं भारत के लिए गंभीर मुद्दे हैं। इनकी अनदेखी करके सामान्य कारोबारी संबंधों की बहाली की मांग करना व्यावहारिक नहीं होगा। किसी भी पड़ोसी देश के साथ आर्थिक रिश्तों का आधार भरोसा और स्थिरता ही हो सकते हैं। भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान किए बिना व्यापार बहाली की अपेक्षा करना भी उचित नहीं है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव का असर व्यापार, परिवहन, उद्योग और आम नागरिकों पर पड़ता है।

कसूरी ने श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान भारत की सहायता का उदाहरण देकर पड़ोसियों के बीच सहयोग की जरूरत रेखांकित की है। उन्होंने निवेश, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों के विस्तार की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। दोनों देशों के बीच धार्मिक, ऐतिहासिक और पारिवारिक रिश्तों की मौजूदगी इस संभावना को और महत्वपूर्ण बनाती है। लेकिन सद्भावना की अपील तभी परिणाम दे सकती है, जब उसके साथ आतंकवाद और सुरक्षा के सवालों पर ठोस प्रगति भी हो। विडंबना यह है कि एक ओर पाकिस्तान का कारोबारी नेतृत्व भारत से व्यापार बहाली की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर एयर इंडिया का प्रमुख हवाई क्षेत्र बंद होने से हो रहे नुकसान की बात कर रहा है। दोनों स्थितियां बताती हैं कि भौगोलिक निकटता और आर्थिक परस्पर निर्भरता को लंबे समय तक राजनीतिक तनाव से अलग नहीं रखा जा सकता। सवाल यह नहीं कि किस देश को कितना नुकसान हुआ, बल्कि यह है कि इस नुकसान को रोकने के लिए भरोसे और सुरक्षा का वातावरण कैसे बनाया जाए। भारत-पाकिस्तान संबंधों में स्थायी सुधार का रास्ता भावुक अपीलों से नहीं, बल्कि आतंकवाद पर ठोस कार्रवाई, जिम्मेदार कूटनीति और पारस्परिक विश्वास से होकर ही निकलेगा। बहरहाल अब समय आ गया है कि दोनों देशों के लीडर संबंध सुधारने की दिशा में बातचीत के रास्ते खोलें। इसके साथ ही आतंकवाद खत्म करने और साझा-विकास का मार्ग प्रशस्त करें। राजनीति से परे दोनों ही देशों की आमजनता तो कम से कम यही चाहती है।

उत्तर प्रदेश 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा



ललित गर्ग

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।



उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।

यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है।

भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है। इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं।

इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी। बसपा और कांग्रेस की भूमिका कई सीटों पर 'गेम चेंजर' बन सकती है। योगी आदित्यनाथ के सामने 2027 का चुनाव केवल विपक्षी दलों के बनते-बिगड़ते समीकरणों, मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और समाजवादी पार्टी के बढ़ते प्रभाव की चुनौती नहीं है, बल्कि भाजपा के भीतर संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। ऐसे समय में गृहमंत्री अमित शाह की उत्तर प्रदेश को लेकर सक्रिय रणनीति योगी के लिए सहायक शक्ति बन सकती है। शाह की चुनावी रणनीति का मूल आधार सामाजिक समीकरणों का विस्तार, बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती और सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल रहा है। यदि यह रणनीति योगी की प्रशासनिक छवि और लोकप्रियता के साथ समन्वित होती है तो भाजपा विपक्ष की चुनौती को प्रभावी ढंग से रोक सकती है। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के बीच रणनीतिक प्राथमिकताओं में कोई असंतुलन दिखाई दिया तो इसका लाभ विपक्ष उठा सकता है। भाजपा के लिए सबसे बड़ी जरूरत यही है कि योगी को निर्विवाद चुनावी चेहरा रखते हुए अमित शाह की संगठनात्मक रणनीति को उनके नेतृत्व का पूरक बनाया जाए, प्रतिस्पर्धी नहीं। इसलिए 2027 में योगी की राजनीतिक मजबूती केवल सरकार की उपलब्धियों से नहीं, बल्कि अमित शाह की रणनीति और भाजपा के आंतरिक अनुशासन के बीच बनने वाले संतुलन से भी तय होगी। इसके लिये जरूरी है कि शाह एवं योगी के बीच संतुलन एववं सौहार्द का वातावरण बनना जरूरी है।

2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव अंततः केवल हिंदू-मुस्लिम, भाजपा-सपा या योगी-अखिलेश की लड़ाई नहीं होगा। यह मतदाता के बदलते विवेक, विकास की वास्तविक अनुभूति, सामाजिक प्रतिनिधित्व और भविष्य की उम्मीदों की परीक्षा होगा। चुनाव की करवट अभी तय नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस बार उत्तर प्रदेश में मुकाबला पिछले चुनावों की तुलना में अधिक जटिल, बहुस्तरीय और दिलचस्प होने जा रहा है। यही जटिलता 2027 को भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव बनाएगी।



ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्के हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।



कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।



सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।



पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-



अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5'3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे।

सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।



क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।



संक्षिप्त समाचार

कर्मचारियों को मिल सकता है 5.15 लाख तक का एरियर

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब एक करोड़ से अधिक



केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है। अगर 7वें वेतन आयोग वाला फिटमेंट फैक्टर भी लागू होता है तो भी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले होगी। यही नहीं, अगर सरकार संशोधित पे मैट्रिक्स को 1 जनवरी 2026 से लागू करती है, तो कर्मचारियों को 12 महीने का एरियर मिल सकता है। एक गणना के मुताबिक, लेवल-6 के कर्मचारी को करीब 5.15 लाख रुपये तक का एरियर मिल सकता है। हालांकि, यह रकम फिटमेंट फैक्टर और सरकार के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगी। 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया था। ऐसे में अगर 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होती हैं, तो कर्मचारियों को पिछले महीनों का एरियर मिल सकता है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए कोई केंद्रीय कर्मचारी पे मैट्रिक्स के लेवल-6 में है और उसका मौजूदा बेसिक सैलरी 44,900 रुपये है। अगर 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 रखा जाता है, तो उसका नया मूल वेतन इस प्रकार होगा। एरियर के कैलकुलेशन में महंगाई भत्ते को भी शामिल करना जरूरी है। उदाहरण के लिए, जनवरी से जून 2026 तक 60 फीसदी डीए और जुलाई से दिसंबर तक 63 प्रतिशत डीए मानकर गणना की गई है। इस आधार पर कर्मचारी का मौजूदा मूल वेतन और डीए मिलाकर पहले छह महीने में करीब 71,840 रुपये और अगले छह महीने में करीब 73,187 रुपये बनते हैं। वहीं, प्रस्तावित नए मूल वेतन 1,15,400 रुपये और मौजूदा वेतन व डीए के बीच अंतर के आधार पर गणना इस प्रकार है। यह गणना केवल एक उदाहरण है। इसमें 2.57 फिटमेंट फैक्टर मानकर चलने के साथ यह भी माना गया है कि मौजूदा डीए नए मूल वेतन में समाहित हो जाएगा और नया डीए शून्य से शुरू होगा। फिलहाल 8वें वेतन आयोग की अंतिम सिफारिशें सामने नहीं आई हैं। फिटमेंट फैक्टर कितना होगा और नया वेतन मैट्रिक्स किस आधार पर तैयार होगा, इस पर भी अंतिम फैसला होना बाकी है। इसलिए 5.15 लाख रुपये के एरियर का आंकड़ा केवल अनुमानित गणना है, इसे पक्का भुगतान नहीं माना जा सकता। कर्मचारियों को वास्तविक वेतन वृद्धि और एरियर का पता आयोग की सिफारिशें आने और सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही चलेगा।

2026 में 81 प्रतिशत का रिटर्न, 52 वीक हाई पर स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवीज़ लैबोरेटरीज़ के शेयरों की कीमतों में आज फिर से तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का दाम आज 6 प्रतिशत से अधिक बढ़ा गया है। जिसके बाद स्टॉक 52 वीक हाई पर पहुंच गया। बता दें, कल रविवार को भी कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। तब कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई थी। रविवार को मुहूर्त सेशन के शेयर बाजार खुला था। आज बीएसई में कंपनी का शेयर 11105 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ बीएसई में 11818 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 5648 रुपये है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 3.05 लाख करोड़ रुपये का है। इस कंपनी के लिए दूसरी तिमाही काफी शानदार साबित हुई है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 64 प्रतिशत बढ़ गया है। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 1127 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई से सितंबर के दौरान कंपनी का रेवन्यू 3676 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी की आय में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ब्रोकरेज हाउस नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी, गोल्डमैन स्कैस और जेपी मॉर्गन कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर बुलिश है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड न्यूट्रल रेटिंग दे रहा है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी ने स्टॉक के लिए रेटिंग दी है। इस ब्रोकरेज ने टारगेट प्राइस को 9600 रुपये से बढ़ाकर 12000 रुपये कर दिया है। बीते 6 महीने के दौरान स्टॉक की कीमतों में 71 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 2026 में स्टॉक का दाम 81 प्रतिशत बढ़ा है।

सोना 1400 उछला, चांदी के भाव 4000 से अधिक चढ़े

दिवाली-धनतेरस के बाद भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस बीत गया। दिवाली भी बीत गई, लेकिन सोने-चांदी के दाम तेजी और बढ़ती जा रही है। मुंबई स्थित एमसीएक्स पर आज सुबह दिसंबर 2026 की डिलीवरी के लिए एमसीएक्स सिल्वर फ्यूचर 4,000 रुपये बढ़कर 1,88,979 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। दिसंबर 2026 की डिलीवरी के लिए सोना वायदा 1,400 रुपये बढ़कर 1,43,933 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

बता दें एमसीएक्स पर भाव पल-पल बदलता रहता है। जबकि, सर्राफा बाजारों में दोपहर और शाम को तय होते हैं। यहां सोने-चांदी के दाम एमसीएक्स से अलग होते हैं। उनपर जीएसटी, लोकल टैक्स और ज्वेलरी मेंकिंग चार्ज भी जुड़े होते हैं।

अगर इस साल की बात करें तो एमसीएक्स पर 29 जनवरी को सोना 1,93,096 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था और तब से लेकर आज की डेट तक करीब 50 हजार रुपये से अधिक सस्ता हो चुका है। वहीं, एमसीएक्स सिल्वर का भाव ऑल टाइम हाई 4,20,048 रुपये है और यह 231000 रुपये से अधिक गिर चुका है।

इंटरनेशनल स्तर पर भी सोने की कीमतों में सोमवार को 1.6 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल दर्ज की जा रही है। आज न्यूयॉर्क में गोल्ड करीब 4,129 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। पिछले



हफ्ते इसमें 5 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई थी। बता दें अंतर्राष्ट्रीय सोने की कीमतें 29 जनवरी 2026 को 5,379 प्रति औंस के रिकॉर्ड क्लोजिंग लेवल से गिरकर 4,129 पर आने में लगभग 23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। दूसरी ओर इस बीच, चांदी 2.8 फीसदी उछलकर 53.31 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

रायटर्स के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर जारी बातचीत के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से सोने-चांदी को सहारा मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर आगे और हमले करने की संभावना बेहद कम है। उनके इस बयान से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका कम हुई है। तेल की कीमतों में गिरावट से महंगाई का दबाव कम होने की उम्मीद बढ़ी है। इससे ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बने रहने की आशंका भी कमजोर हुई है। इसका फायदा सोने जैसी उन संपत्तियों को मिलता है, जिनसे निवेशकों को ब्याज नहीं मिलता।

केसीएम ट्रेड के मुख्य बाजार विश्लेषक टिम वाटरर के मुताबिक, ईरान को लेकर ट्रंप के नरम रुख से कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इससे महंगाई की चिंता कम हुई है। वहीं, डॉलर में कमजोरी ने भी सोने को सपोर्ट किया है। डॉलर कमजोर होने से दूसरे देशों के खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है।

हालांकि, अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़ों ने सोने की तेजी पर कुछ दबाव बनाया है। अक्टूबर में रोजगार वृद्धि तेज हुई और बेरोजगारी दर घटकर 4.1 फीसदी पर आ गई। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ाने की उम्मीद मजबूत हुई है। सीएमई के फेडवॉच टूल के मुताबिक, दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना रोजगार आंकड़ों से पहले 71 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 79 फीसदी हो गई है।

अब आगे क्या होगा

अब बाजार की नजर अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों पर है। मंगलवार को कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स और शुक्रवार को प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स के आंकड़े जारी होंगे। महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहने पर डॉलर मजबूत हो सकता है और सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

डिविडेंड देने जा रही कंपनी का शेयर 7 प्रतिशत चढ़ा, 52 वीक हाई पर भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्स-डिविडेंड डेट से पहले पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जिसके बाद कंपनी के शेयर 52 वीक हाई पर पहुंच गए। बीएसई में कंपनी के शेयर आज 1323.35 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 7 प्रतिशत की तेजी के साथ 1413.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यह बीएसई मे कंपनी के स्टॉक का नया 52 वीक हाई है। बता दें, स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। 2026 में कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी के शेयर सितंबर के महीने में एक्स-बोनस ट्रेड किया था। तब हर एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। अब इसी सप्ताह स्टॉक एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रहा है। कंपनी ने एक शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी ने डिविडेंड के लिए 13 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में टैग दिया है। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक के लिए 1550 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल ने अपनी रिपोर्ट में स्टॉक की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताया है। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट सालाना आधार पर 37.36 प्रतिशत बढ़ा है। इस बार शुद्ध लाभ 125.78 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 73.31 करोड़ रुपये रहा था। नेट रेवन्यू दूसरे क्वार्टर के दौरान 180153 करोड़ रुपये रहा है। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 67 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में स्टॉक का दाम 97 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 2.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। दो साल में स्टॉक का दाम 158 प्रतिशत और तीन साल में 317 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

चीन का अमेरिका को बड़ा संदेश! 24 प्रतिशत टैरिफ पर रोक जारी, लेकिन रहेगा 10 प्रतिशत शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में एक नया घटनाक्रम सामने आया है। चीन ने अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले 24 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ के निलंबन को दो महीने के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है।हालांकि, अमेरिका से आने वाले सामान पर लगने वाला मौजूदा 10 प्रतिशत टैरिफ जारी रहेगा। चीन के वित्त मंत्रालय की ओर से इस फैसले की घोषणा की गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार अहम बनी हुई है। चीन ने पहले अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। लेकिन, बाद में दोनों देशों के बीच बनी सहमति के तहत इस अतिरिक्त शुल्क को लागू करने पर रोक लगा दी गई। अब चीन ने इस रोक को 10 नवंबर से अगले दो महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि फिलहाल अमेरिकी सामान को 24 प्रतिशत के अतिरिक्त टैरिफ से राहत मिलती रहेगी। हालांकि, चीन ने यह साफ किया है कि अमेरिकी आयात पर पहले से लागू 10 प्रतिशत शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस टैरिफ व्यवस्था की पृष्ठभूमि पिछले साल हुई अमेरिका-चीन वार्ता से जुड़ी है। नवंबर 2025 में चीन ने अमेरिकी सामान पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ को एक साल के लिए निलंबित करने की घोषणा की थी। यह फैसला अक्टूबर 2025 के अंत में दक्षिण कोरिया में हुई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के बाद बनी सहमति से जुड़ा था। उस समय दोनों देशों ने व्यापारिक तनाव को कम करने और टैरिफ व्यवस्था में कुछ राहत देने की दिशा में कदम उठाया था। चीन ने अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क को फिलहाल रोकने का फैसला किया है, लेकिन मौजूदा 10 प्रतिशत टैरिफ को जारी रखा है, यानी अमेरिकी सामान पर टैरिफ पूरी तरह खत्म नहीं किया गया है।

अमेरिका में ताबड़तोड़ दिवालिया हो रही ट्रांसपोर्ट कंपनियां, इस बार टूट सकता है 23 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। वहां होने वाली हर गतिविधि का बाकी दुनिया पर असर देखने को मिलता है। डीजल की रिकॉर्ड कीमत ने अमेरिका पर असर दिखाना शुरू कर दिया है। वहां की ट्रकिंग इंडस्ट्री यानी ट्रांसपोर्ट बिजनेस की हालत पतली हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़ी 221 कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि इसी तरह चलता रहा तो इस बार 23 साल का रिकॉर्ड टूट सकता है। अमेरिका में यह लगातार तीसरा साल है जब 220 से ज्यादा ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई हैं। इससे पहले 2021 और 2022 में 100 से कम ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या 200 के नीचे थी। ब्लूमबर्ग के एक सर्वे के मुताबिक देश की करीब 66 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियों का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले इस बार फ्लैट रहा है या इसमें गिरावट आई है। इसमें वे कंपनियां शामिल हैं जिनके पास 20 या उससे कम ट्रक हैं। सर्वे के मुताबिक 40 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियां अगले छह महीनों में इंडस्ट्री को छोड़ने की तैयारी में हैं या अपने भविष्य को लेकर कुछ नहीं कह सकते हैं। अमेरिका में डीजल की कीमत में काफी तेजी आई है। साथ ही इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा होने और हायर इंटरेस्ट रेट से छोटी ट्रकिंग कंपनियों की हालत खस्ता होती जा रही हैं। अमेरिका में साल 2001 में रिकॉर्ड ट्रांसपोर्ट कंपनियां दिवालिया हुई थीं। इनकी संख्या 300 से अधिक थी।

1 शेयर के हो जाएंगे 20 शेयर, दिग्गज कंपनी ने किए 2 बड़े ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो कंपोनेंट्स और इक्विपमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी दिग्गज कंपनी बॉश लिमिटेड ने दो बड़े ऐलान किए हैं। कंपनी ने अपने शेयर का बंटवारा करने के साथ ही बोनस शेयर देने की घोषणा की है। शेयर के बंटवारे और बोनस शेयर के बाद अभी बॉश का 1 शेयर रखने वाले शेयरधारकों के पास कंपनी के 20 शेयर हो जाएंगे। बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के चलते ऐसा होगा। बॉश लिमिटेड के शेयर सोमवार 9 नवंबर 2026 को 3 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 49,100 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

दिग्गज कंपनी बॉश लिमिटेड ने 3:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। वहीं, कंपनी ने 1:5 के रेशियो में शेयर बांटने (स्टॉक स्प्लिट) का ऐलान किया है। बॉश लिमिटेड ने अभी बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट फिक्स नहीं की है। अगर किसी निवेशक के पास अभी बॉश लिमिटेड का 1 शेयर है तो 1:5 के रेशियो में स्टॉक स्प्लिट के बाद उसके पास शेयरों की संख्या बढ़कर 5 पहुंच जाएगी। वहीं, कंपनी 3:1 के रेशियो में बोनस शेयर दे रही है, ऐसे में निवेशक को 15 शेयर बोनस शेयर के रूप में मिलेंगे। इस तरह बॉश लिमिटेड का 1 शेयर रखने वाले निवेशक के पास टोटल 20 शेयर (15+5) हो जाएंगे। बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के बाद यह फायदा मिलेगा। बॉश लिमिटेड अपने शेयरधारकों को पहले भी बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। मनीकंट्रोल के डेटा के मुताबिक, कंपनी ने सितंबर 1973 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। कंपनी ने सितंबर 1976 में 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर बांटे। इसके बाद कंपनी ने



सितंबर 1982 में फिर 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। कंपनी ने सितंबर 1986 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। बॉश लिमिटेड स्टॉक स्प्लिट भी कर चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2004 में अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा। कंपनी ने 100 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 10-10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा। बॉश लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 839.4 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का प्रॉफिट 18.6 पर्सेंट बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में बॉश लिमिटेड का मुनाफा 708 करोड़ रुपये था।

हरियाणा की निधि ने 5 लाख लगाकर 6 महीने में कमाए 2.5 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में चाय के साथ नमकीन और स्नैक्स खाने का शौक हर घर में है, लेकिन बाजार में मिलने वाले ज्यादातर विकल्प या तो अत्यधिक तले-भुने होते हैं या बेहद महंगे। हरियाणा की रहने वाली 29 वर्षीया निधि मित्तल ने इसी अंतर को समझा और एक नया बिजनेस आइडिया तैयार किया। अपनी पीएचडी की पढ़ाई बीच में छोड़कर उन्होंने पफ्ड नाम से एक हेल्दी और किफायती स्नैक ब्रांड खड़ा कर दिया। इसने ब्रांड ने 6 महीने में अच्छी कमाई कर ली है। कॉमर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद निधि ने साल 2019 में पीएचडी में दाखिला लिया और साथ में ट्यूशन भी पढ़ाती थीं। फरवरी 2023 में शादी के बाद जब उन्होंने घर के लिए राशन और स्नैक्स की खरीदारी शुरू की, तो महसूस किया कि बाजार में बच्चों और बुजुर्गों के लिए पौष्टिक और बजट-फ्रेंडली स्नैक्स की कमी है।

रिपोर्ट: मैटर्निटी लीव खत्म के बाद 25 प्रतिशत भारतीय महिलाएं छोड़ देती हैं नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में मां और पिता को मिलने वाली पैरेंटल लीव के बीच दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अंतर है। ग्लोबल हायरिंग और पेरोल प्लेटफॉर्म छद्दद्दद्य की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, मैटर्निटी लीव खत्म होने के छह महीने के भीतर 25 प्रतिशत भारतीय महिलाएं अपनी नौकरी छोड़ देती हैं। पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत है। हालांकि, यह ग्लोबल रेशियो से कम है। दुनिया भर में 30 प्रतिशत महिलाएं और 23 प्रतिशत पुरुष छुट्टी के बाद छह महीने के भीतर नौकरी छोड़ देते हैं।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मां औसतन 130 वर्किंग डेज यानी करीब 26 सप्ताह की छुट्टी लेती हैं, जबकि पिता को औसतन सिर्फ 7 दिन की लीव है। इस मामले में भारत से आगे केवल ब्रिटेन है, जहां मां और पिता की छुट्टी के बीच अंतर 19.5 गुना है। भारत में यह अंतर 18.6 गुना है। छद्दद्दद्य की जेनरस गवर्नमेंट पैरेंटल लीव पॉलिसीज डोन्ट गारंटी जेंडर इक्विलिटी शीर्षक वाली रिपोर्ट में 12 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के करीब 5,000 माता-पिता के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इसमें सामने आया कि कागजों पर माता-पिता के लिए छुट्टी की



नीतियां भले ही समान और उदार दिखें, लेकिन वास्तविकता में इसका लाभ महिलाओं और पुरुषों को बराबर नहीं मिलता। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिता को मिलने वाली छुट्टी पूरी तरह एम्प्लायर यानी कंपनी की इच्छा पर निर्भर करती है। इसके लिए कोई अनिवार्य कानूनी प्रावधान नहीं है। यही वजह है कि स्टडी में शामिल सभी 12 देशों में भारतीय पिता सबसे कम पैरेंटल लीव लेते हैं।

अगर तुलना करें तो ब्रिटेन और इटली में पिता औसतन 10 दिन, कनाडा और अमेरिका में 28 दिन की छुट्टी लेते हैं। वहीं स्वीडन में यह अवधि 67 दिन और स्पेन में 70 दिन है। यानी अमेरिका में पिता भारतीय पुरुषों के मुकाबले चार गुना ज्यादा छुट्टी लेते हैं। भारत में मां औसतन 130 वर्किंग डेज की छुट्टी लेती हैं। यह मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत मिलने वाली 26 सप्ताह की छुट्टी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 98.7 प्रतिशत मां अपनी पूरी छुट्टी एक ही बार में लेती हैं। यह 12 देशों में सबसे ज्यादा है। वहीं 80.1 प्रतिशत पिता अपनी छुट्टी एक साथ लेते हैं।

कार और बाइक इंश्योरेंस के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी कोई नई गाड़ी जैसे कार या बाइक लेता है तो उसका इंश्योरेंस कराता है। इंश्योरेंस किसी भी वाहन और उसके मालिक के लिए एक वित्तीय कवच के रूप में काम करता है। यह गाड़ी के खो जाने, चोरी होने, एक्सीडेंट होने और किसी प्रकार के नुकसान होने समेत अन्य स्थितियों में नियम के तहत बीमा कंपनी के द्वारा आर्थिक मदद करता है। ऐसे में एक शब्द है जीरो डेप्रिसिएशन कवर। सामान्य इंश्योरेंस में यह नहीं मिलता है बल्कि इसको अलग से ऐड ऑन कराना होता है। तेजी के साथ बदलते समय और गाड़ियों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच लोगों में बीमा के साथ जीरो डेप्रिसिएशन कवर लेने का मामला तेजी से बढ़ा है। एक्सपर्ट इसे आपकी कार और बाइक (उदाहरण के लिए) के लिए बहुत ही अहम मानते हैं। आखिर कार या बाइक के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर क्यों जरूरी है और यह सामान्य बीमा से कितना फायदेमंद है। आमतौर पर कई लोग कार या बाइक का सामान्य इंश्योरेंस कराते हैं, जिसमें जीरो डेप्रिसिएशन कवर शामिल नहीं होता है। ऐसे में क्या होता है कि जब आपकी कार या बाइक का एक्सीडेंट (दुर्भाग्य से) होता है तो उसके कुछ पार्ट्स जैसे प्लास्टिक, मेटल, रबर और फाइबर समेत अन्य को भी नुकसान पहुंच सकता है। इनके नुकसान में सामान्य इंश्योरेंस में बीमा कंपनी उनकी पुरानी घिसावट को कम करके कुछ पैसा दे देती है। बाकी के पैसों को आपको अपनी जेब से भरना पड़ता है। ऐसे में आपको जीरो डेप्रिसिएशन कवर नहीं लेने पर आर्थिक रूप से भी नुकसान होता है।

दिवाली में अंबानी-अडानी की कितनी बढ़ी दौलत धनतेरस पर मस्क ने कमाए 5.69 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस पर भारत में आम आदमी सोने-चांदी में ही उलझा रहा और उधर असली धन की बारिश तो एलन मस्क पर हुई। दुनिया के सबसे अमीर इस व्यक्ति की दौलत एक ही दिन में 60.50 अरब डॉलर यानी करीब 5.69 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 845 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसके बाद दिवाली पर दोनों भारतीय उद्योगपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी पर भी लक्ष्मी जी मेहरबान हुईं। दोनों की दौलत में भी इजाफा देखने को मिला, लेकिन मस्क की तुलना में बहुत कम। दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान भले ही सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए हों, लेकिन मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का नेटवर्थ ग्रीन रहा। अडानी ग्रुप की अधिकतर कंपनियों के शेयरों में तेजी की वजह से चेयरमैन गौतम अडानी की दौलत में 1.95



अरब डॉलर यानी करीब 18000 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हुआ। अंबानी का नेटवर्थ भी 956 मिलियन डॉलर यानी करीब 9000 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की दौलत रविवार को 1.95 अरब डॉलर बढ़कर 119 अरब डॉलर पर पहुंच गई। ब्लूमबर्ग के मुताबिक एशिया के सबसे अमीर अडानी अब दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं। जबकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी एशिया में तीसरे और दुनिया में 23वें नंबर के अमीर हैं। इनके पास 88.3 अरब डॉलर की संपत्ति है। शुक्रवार को जब भारत के लोग धनतेरस मनाकर सो रहे थे तो अमेरिका में दुनिया के सबसे रईस शख्स एलन मस्क पर धन की बारिश हो रही थी। मस्क की कंपनियों के शेयर उछले तो उनकी दौलत एक ही दिन में 7.7 प्रतिशत उछल गई।

2020 के बाद तेल के दाम में सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। अप्रैल 2020 के बाद पिछले सप्ताह तेल की कीमतों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया, जबकि अमेरिकी ड्ब्लूझढ्ढ क्रूड 90 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम घटेंगे दिल्ली में पेट्रोल आज भी 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये लीटर है। यानी दिवाली के बाद भी रेट में कोई बदलाव नहीं है।

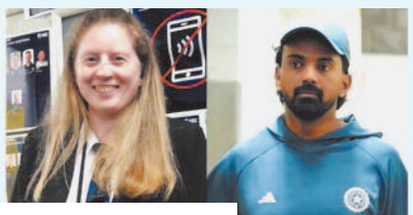
ब्लूमबर्ग के मुताबिक पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। अक्टूबर के अंत में छह महीने के हाई पर पहुंचने के बाद से कच्चे तेल के दाम लगातार नीचे आए हैं। अमेरिका के मिड टर्म इलेक्शन में डेमोक्रेट्स की जीत के बाद बाजार को उम्मीद है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष और नहीं बढ़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने को लेकर बातचीत आगे बढ़ती होती है तो ईरान पर नए हमले की संभावना बेहद कम है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बातचीत में खास प्रगति नहीं हुई है और ईरान की मांगें स्वीकार करने योग्य नहीं हैं।

कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है। सप्ताहांत में होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे एक तेल टैंकर पर अज्ञात मिसाइल से हमला होने की खबर है। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको के रियाद स्थित कार्यालयों को निशाना बनाया। इसके जवाब में सऊदी सेना ने दो मिसाइल लॉन्चर नष्ट कर दिए। हालांकि, होर्मुज में जहाजों पर हमलों के बावजूद फारस की खाड़ी से कच्चे तेल का निर्यात युद्ध से पहले के स्तर के करीब पहुंच गया है। ब्लूमबर्ग के सर्वे के मुताबिक, ओपेक के उत्पादन में भी फरवरी के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है और यह सदस्य देशों के उस समय के उत्पादन के करीब 88 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कच्चे तेल के दाम में आई बड़ी गिरावट के बावजूद पेट्रोल-डीजल के रेट जस के तस है। ऐसा क्यों है दरअसल, तेल का यह वायदा भाव है। मतलब सौदा आज होगा और डिलीवरी जनवरी में मिलेगी। दूसरी बात, सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रेट तो रोजाना जारी करती हैं, लेकिन उन पर सरकार का नियंत्रण होता है। कच्चे तेल के दाम घटने पर कंपनियां पहले अपना घाटा पूरा करती हैं। सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम मई 2026 में चार बार में 7.50-7.50 रुपये लीटर बढ़ाए थे।

KL राहुल ने जीता दिल

अवॉर्ड में मिला महंगा फोन मैच अधिकारी को किया गिफ्ट



फोन मिलने पर हैरान रह गई महिला अधिकारी

बीसीसीआई ने राहुल के इस खास पल का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में महिला अधिकारी फोन मिलने के बाद अपनी खुशी और हैरानी जाहिर करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि राहुल ने उन्हें अपना फोन दे दिया और वह इस तरह के तोहफे की बिल्कुल उम्मीद नहीं कर रही थीं। उन्होंने इस gesture के लिए भारतीय बल्लेबाज का आभार भी जताया।

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार बल्लेबाजी के बाद मैदान के बाहर भी ऐसा काम किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। भारत की 4 रन से रोमांचक जीत के बाद राहुल को 'गेमचेंजर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड मिला था। लेकिन उन्होंने इनाम में मिले महंगे स्मार्टफोन को अपने पास रखने के बजाय स्टेडियम की एक महिला अधिकारी को गिफ्ट कर दिया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पेरिस मास्टर्स

अल्काराज ने रूड को हराकर फाइनल में बनाई जगह



सातवें अलग मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

कैस्पर रूड के खिलाफ जीत के साथ ही अल्काराज सात अलग-अलग एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी अब तक मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में कुल 11 चैंपियनशिप मुकाबले खेल चुके हैं।

पेरिस, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने हाल ही में यूएस ओपन में अल्काराज को हराया था। दोनों के बीच अब तक हुए चार मुकाबलों में स्पेनिश खिलाड़ी ने तीन जीत दर्ज की हैं। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने पेरिस मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने नॉर्वे के कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया।

एलेना ने 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लिया



नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 एलेना रायबाकिना ने वायरल बीमारी के कारण इंडियन वेल्स में होने वाले 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस ले लिया है। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अपने सभी फैंस और समर्थकों को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि बदकिस्मती से मुझे इस साल डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लेना पड़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'मेरा सीजन बहुत अच्छा रहा है, लेकिन मेरा शरीर अभी मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं है। मैं घर पर आराम करने और ठीक होने में कुछ समय बिताऊंगी और 2027 सीजन के लिए खुद को तैयार करूंगी। डब्ल्यूटीए फाइनल्स एक बहुत ही खास टूर्नामेंट है और मैं सभी को शुभकामनाएं देती हूं। मार्च में इंडियन वेल्स में वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।'

डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्टा कोस्त्युक ग्रुप 1 में रायबाकिना की जगह लेंगी, और रविवार को टूर्नामेंट के पहले मैच में लिंडा नोस्कोवा का सामना करेंगी। इसके अलावा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला भी बाद के राउंड रॉबिन मैचों में उनका सामना करेंगी। रायबाकिना ने साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर एंट्री की थी, और सऊदी अरब के रियाद में 2025 एडिशन में आखिरी क्वालीफायर के तौर पर बिना हारे रहीं। इस सीजन में, वह यूएस ओपन में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद पहली सिंगल्स क्वालिफायर थीं, जहां उन्होंने नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की थी। रायबाकिना डब्ल्यूटीए पर अपना 2026 सीजन 54-14 के रिकॉर्ड और चार खिताब – ऑस्ट्रेलियन ओपन, स्टटगार्ट, यूएस ओपन और निंगबो के साथ खत्म करेंगी। नाम वापस लेने के बावजूद, उन्होंने टोक्यो में पीआईएफ द्वारा पेश की गई डब्ल्यूटीए साल के आखिर की नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग हासिल की। वर्ल्ड नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन के हटने के बाद, कोस्त्युक पहले अल्टरनेट के तौर पर कॉम्पिटिशन में उतरीं।

दीपक चाहर कप्तान, मानव सुतार उपकप्तान, अभिषेक-कार्तिक भी टीम में; सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए राजस्थान का स्क्वाड





नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रतिष्ठित घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए लगातार अब टीमों के स्क्वाड जारी होने का सिलसिला जारी है। 32 टीमों वाला एलीट राउंड का यह टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो जाएगा। इसी बीच रविवार रात एलीट ग्रुप ए में शामिल राजस्थान ने अपने स्क्वाड का ऐलान हुआ है। इस टीम की कप्तानी दीपक चाहर को सौंपी गई है, वहीं मानव सुतार उपकप्तान बनाए गए हैं। दीपक चाहर के भाई राहुल चाहर भी इस टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को भी स्क्वाड में जगह मिली है। बाएं हाथ के 18 वर्षीय बल्लेबाज और दाएं हाथ के गेंदबाज अभिषेक मूंद को भी राजस्थान के स्क्वाड में शामिल किया गया है। वहीं अनुभवी महिपाल लोमरोर भी स्क्वाड का हिस्सा हैं।

मुकुल की एंट्री, खलील अहमद बाहर – लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार खेल दिखाकर आईपीएल 2026 में सुर्खियां बटोरने वाले मुकुल चौधरी को भी इस टीम में जगह मिली है। कार्तिक, मुकुल के अलावा तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज कुणाल सिंह राठौर का भी चयन हुआ है। हैमस्ट्रिंग इंजरी से रिकवर हो रहे खलील अहमद का इस टीम में चयन नहीं हो पाया है।

हैमिल्टन वनडे में कप्तान शुभमन गिल करेंगे फेरबदल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला मंगलवार को हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में खेला जाएगा. भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 7.30 बजे शुरु होगा. भारतीय टीम शुरुआती दोनों मैच जीतकर 2-0 की बढ़त बना चुकी है. अब इस मुकाबले को जीतकर वो सीरीज पर कब्जा जमाना चाहेगी. शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में कम से कम एक बदलाव कर सकती है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिलने की उम्मीद है.



पाक-श्रीलंका

एक साथ इन 4 धुरंधरों का हुआ डेब्यू, मिली प्लेइंग इलेवन में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मुकाबले में पाकिस्तान की टीम बिल्कुल नए अंदाज में मैदान पर उतरी है. पाकिस्तानी टीम मैनेजमेंट ने एक बहुत बड़ा कदम उठाते हुए अपनी प्लेइंग इलेवन में एक साथ चार नए खिलाड़ियों को डेब्यू करने का मौका दिया है. अचानक हुए इन बदलावों और युवा खिलाड़ियों को तरजीह दिए जाने से क्रिकेट गलियारों में हलचल मच गई है.



श्रीलंका के खिलाफ मजबूत इरादों के साथ उतरी पाकिस्तानी टीम

रावलपिंडी में खेले जा रहे इस मुकाबले में सीनियर खिलाड़ियों के साथ इन युवा चेहरों को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य टीम में नया जोश भरना है. पाकिस्तानी टीम की कमान बाबर आजम के हाथों में है, जबकि साउद शकील और सलमान अली आगा जैसे अनुभवी बल्लेबाज मिडिल ऑर्डर को संभाल रहे हैं. गेंदबाजी आक्रमण में अनुभवी मोहम्मद अब्बास के साथ-साथ रजाउल्लाह और नए गेंदबाज साकिब खान मोर्चा संभाल रहे हैं. दूसरी तरफ श्रीलंका की टीम भी कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ बेहद मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ उतरी है.

शतरंज

मध्य प्रदेश के अनुज श्रीवास्तव बने भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को शतरंज में अपना 100वां ग्रैंडमास्टर मिल गया है। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवास्तव ने रविवार को फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस व्यक्तिगत ओपन शतरंज चैंपियनशिप जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। 22 वर्षीय अनुज भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। भारत को शतरंज में अपना 100वां ग्रैंडमास्टर मिल गया है। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवास्तव ने रविवार को फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस व्यक्तिगत ओपन शतरंज चैंपियनशिप जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। 22 वर्षीय अनुज भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। फिलीपींस के मिसामिस ऑक्सिडेंटल स्थित असेंसो ग्लोबल यूथ लीडरशिप एंड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस टूर्नामेंट में अनुज ने कुल आठ में से सात अंक हासिल किए। उन्होंने प्रतियोगिता का पहला मुकाबला गंवाने के बाद शानदार वापसी की और खिताब अपने नाम किया।



विश्वनाथन आनंद थे भारत के पहले ग्रैंडमास्टर – भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद देश के पहले ग्रैंडमास्टर बने थे। उन्होंने 1987 में अपना तीसरा ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया था और 1988 में आधिकारिक तौर पर यह खिताब अपने नाम किया था। अनुज श्रीवास्तव के ग्रैंडमास्टर बनने के साथ ही भारत ने शतरंज में एक नया मुकाम हासिल कर लिया है।

पांच महीने में मिले पांच नए ग्रैंडमास्टर – भारत ने जुलाई 2026 से नवंबर 2026 के बीच महज पांच महीनों में अपने 96वें से 100वें ग्रैंडमास्टर तक का सफर पूरा किया। अनुज श्रीवास्तव से पहले एथन वाज, हर्षवर्धन जीबी, एस अश्वथ और वी रथनेवेल को ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला था।

कोच भी डरते हैं...



विराट कोहली को सुझाव देना हो सकता है खतरनाक

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली को लेकर टीम इंडिया के पूर्व असिस्टेंट कोच रायन टेन डेस्काथे ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया है. उन्होंने बताया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली की बल्लेबाजी में एक तकनीकी खामी को दूर करने के लिए उन्हें काफी सावधानी बरतनी पड़ी? रायन टेन डेस्काथे ने ये किस्सा टॉकस्पोर्ट क्रिकेट पॉडकास्ट में बताया. उनके मुताबिक कोहली उस दौरे पर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर ड्राइव करने की कोशिश में बार-बार आउट हो रहे थे. इस तरह से उनका लगातार आउट होना चर्चा का विषय बन गया था, और सवाल उठ रहे थे कि क्या कोचिंग स्टाफ इस मुद्दे पर काम कर रहा है या नहीं?

कोच के लिए ये हो सकता है खतरनाक

हालांकि, डेस्काथे ने माना कि कोहली जैसे कद के खिलाड़ी के साथ ऐसी बातचीत शुरू करना एक नाजुक काम हो सकता है. उनके अनुसार, कोचों को न केवल यह सोचना चाहिए कि वे क्या कहना चाहते हैं, बल्कि यह भी कि वे संदेश कैसे और कब देते हैं? डेस्काथे ने आगे कहा कि उनका मानना है कि एक कोच के लिए विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के पास जाना और हस्तक्षेप करना, और लगभग उन्हें ये बताना कि क्या हो रहा है, आपके लिए एक कोच के तौर पर खतरनाक हो सकता है. इसके लिए शब्दों का सही चुनाव और संदेश देने का तरीका बहुत महत्वपूर्ण है.

'विराट को सलाह देने से कोच भी डरते हैं'

रायन टेन डेस्काथे ने पॉडकास्ट में बताया कि विराट कोहली जैसे इंटरनेशनल क्रिकेटर को तकनीकी सुझाव देना आसान नहीं होता है. इतने बड़े कद वाले खिलाड़ी को तकनीकी सलाह देने से कोच भी डरते हैं. रायन टेन डेस्काथे नेबताया कि मैं कभी ऐसा कोच नहीं बनना चाहता जो सही बात कहने के लिए किसी और की राय से डरे. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चौथे टेस्ट में, मैं उनसे बात करने गया. बड़ी बात ये है कि वास्तव में विराट भी यही चाहते थे कि कोई उनसे उस खामी पर बात करे.

'दुनिया हिला देंगे...'

अक्षर पटेल ने अर्शदीप सिंह को चिढ़ाया

● ऋतुराज गायकवाड़ के सामने खुद भी घिरे



नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में रविवार (9 नवंबर) को बारिश ने भारतीय टीम का अभ्यास सत्र रोक दिया, लेकिन खिलाड़ियों की मस्ती जारी रही. इस दौरान अक्षर पटेल ने साथी गेंदबाज अर्शदीप सिंह को (इंडियन प्रीमियर लीग) 2027 से पहले ट्रेड की अफवाहों को लेकर जमकर चिढ़ाया. अक्षर ने मुंबई इंडियंस का मशहूर स्लोगन 'दुनिया हिला देंगे' कहकर अर्शदीप की खिंचाई की. दरअसल, अर्शदीप सिंह को लेकर चर्चा है कि वह पंजाब किंग्स से मुंबई इंडियं में जा सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों फ्रेंचाइजी के बीच हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह की अदला-बदली पर बातचीत पूरी हो चुकी है. इस संभावित सौदे पर खिलाड़ियों की सहमति और ढ्ढक्र अधिकारियों की मंजूरी बाकी है. अर्शदीप सिंह के बाद खिलाड़ियों ने अक्षर पटेल की भी खिंचाई की. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर को चेन्नई सुपर किंग्स से जोड़ने वाली अटकलों पर मजाक किया गया.

संक्षिप्त समाचार

अंडा की जगह बिस्कुट खिलाते हैं गुरुजी' शिवहर डीएम के औचक निरीक्षण में बच्चों ने खोल दी पोल

शिवहर, एजेंसी। डीएम प्रतिभा रानी लगातार औचक निरीक्षण कर रही हैं। इसी बीच उन्होंने राजकीय मध्य विद्यालय कटसरी जागीर का जायजा लिया, जहां उन्होंने नौनिहालों से मिड डे मील के संबंध में जानकारी ली, तभी बच्चों ने स्कूल में चल रहे अंडा घोटालें की पोल खोल दी।बिहार में मिड डे मील में बच्चों को उबला अंडा देना अनिवार्य है। अंडा का पैसा अलग से आता है, लेकिन यहां तो बिल्कुल उल्टा दिखा है। जब डीएम ने बच्चों से पूछा कि अंडा मिलता है। इस पर बच्चों ने कहा कि मैडम अंडा नहीं मिलता है, लेकिन बिस्कुट मिलता है। बच्चों का जबाव सुनते ही डीएम प्रतिभा रानी हैरान रह गई और गुरुजी से इस संबंध में पूछाताछ की, लेकिन गुरुजी जवाब नहीं दे पाए, तब डीएम ने फाइल मंगवाकर चेक किया तो फाइल में अंडा पर बिल था।डीएम प्रतिभा रानी को निरीक्षण के दौरान जब घोटाले का एहसास हुआ तो उन्होंने तुरंत हाजिरी रजिस्टर, स्कूलस्टॉक और कैश बुक समेत सारी फाइलें देखीं और जब्त करके उन्हें अपने साथ ले गईं। साथ ही बच्चों की संख्या कम देखकर भी शिक्षकों की क्लास लगाईं। यानी कागज पर बच्चों की उपस्थिति ज्यादा और वास्तविकता में बच्चों की उपस्थिति कम दिखाई दे रही थी। डीएम ने साफ कहा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। वहीं, अगर साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

सिपाही बनकर कटिहार पुलिस लाइन में रह रहा था सुशील, फर्जी आईकार्ड के साथ गिरफ्तार

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार पुलिस लाइन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां फर्जी पुलिसकर्मी का खुलासा हुआ है। इसके बाद उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान दीपक कुमार के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है।आरोपी दीपक कुमार तो देखिए, पिछले 15 दिनों से अधिक समय से कटिहार पुलिस लाइन में रहकर तमाम गतिविधियों में भाग ले रहा था। बताया जा रहा है कि वह खुद को विशेष सशस्त्र पुलिस जवानों के वाहन का चालक बताकर पुलिस लाइन परिसर में रह रहा था। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सहायक थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ यह मामला है। पुलिस के वरीय अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं।कटिहार के पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने पूरी घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दीपक कुमार करीब 15 दिनों से फर्जी पुलिसकर्मी बनकर पुलिस लाइन में रह रहा था। पूरे मामले की जांच के लिए सदर एसडीपीओ विशाल आनंद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया है।''जांच टीम इस बात का पता लगा रही है कि आरोपी पुलिस लाइन परिसर में कैसे दाखिल हुआ, उसने खुद को एसएपी जवानों के वाहन का चालक बताकर वहां जगह कैसे बनाई और इतने दिनों तक उसकी पहचान का सत्यापन क्यों नहीं हो सका? इसके अलावा मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। सबसे गंभीर सवाल यह है कि आखिर एक बाहरी व्यक्ति पुलिस विभाग के इतने संवेदनशील परिसर में लगातार 15 दिनों तक कैसे रहा? पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों की आवाजाही, वाहनों की व्यवस्था और विभागीय गतिविधियां संचालित होती हैं। ऐसे में बिना समुचित सत्यापन के किसी व्यक्ति का इतने दिनों तक परिसर में रहना सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करता है।

छठ से पहले मिलेगी सैलरी,बिहार में सरकारी कर्मियों को शानदार तोहफा

पटना, एजेंसी। बिहार में दीपावली और छठ महापर्व से पहले राज्य के सभी शिक्षकों, पदाधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों और जिला पदाधिकारियों को कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत त्योहार बोनस और नियमित भुगतान में किसी भी तरह की अनावश्यक देरी नहीं की जाएगी। सरकार ने साफ कर दिया है कि समय पर भुगतान न होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने दो दिन पहले ही उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इसमें उन्होंने छठ से पहले शिक्षकों और शिक्षा विभाग के विभिन्न संवर्गों के कर्मियों का लंबित वेतन भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। वित्त विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने शुक्रवार को शिक्षा समेत सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, विभागाध्यक्षों, प्रमंडलीय आयुक्तों और जिला पदाधिकारियों को आधिकारिक पत्र जारी किया है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि महापर्व को देखते हुए सभी सरकारी सेवकों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। विभाग का मानना है कि समय पर पैसा मिलने से कर्मियों को दीपावली और छठ के दौरान किसी तरह की आर्थिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। दरअसल शिक्षा मंत्री ने दो दिन पूर्व विभागीय समीक्षा बैठक में लिपिक, परिचारी, शिक्षा सेवक, तालीमी मरकज, शारीरिक शिक्षक, संस्कृत विद्यालयों और मदरसों के शिक्षकों के लंबित भुगतान का मामला उठाया था। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि इन सभी कर्मियों का बकाया पैसा छठ महापर्व से पहले उपलब्ध कराया जाए। साथ ही भुगतान की प्रक्रिया में गैर-जरूरी देरी नहीं करने की हिदायत भी दी थी। वित्त विभाग की ओर से जारी इस नए निर्देश के बाद शिक्षकों और कर्मचारियों में त्योहार से पहले राशि मिलने की उम्मीद काफी बढ़ गई है।वित्त विभाग ने गृह और शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन और भत्तों से जुड़ी तमाम विसंगतियों की जांच भी अविलंब पूरी करने को कहा है। निर्देश में साफ किया गया है कि समय पर राशि ट्रांसफर नहीं होने की स्थिति में संबंधित कार्यालय के स्तर पर देरी के कारणों की सघन जांच कराई जाएगी।

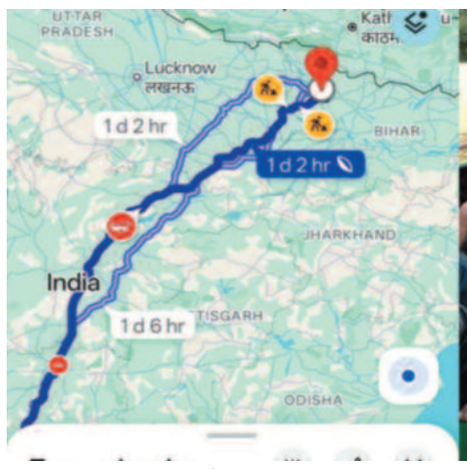
छठी मईया की आस्था में 2200 किलोमीटर का सफर,

बेंगलुरु से ऑटो चलाकर बिहार पहुंचे चार दोस्त

मोतिहारी, एजेंसी। छठ महापर्व बिहार की मिट्टी और लोक आस्था से जुड़ा एक ऐसा त्योहार है, जिसका इंतजार हर बिहारी को पूरे साल रहता है। यह पर्व सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपनों से मिलने और अपनी मातृभूमि से जुड़ने का महापर्व है। इसी अटूट श्रद्धा की एक अनोखी मिसाल बेंगलुरु में रहने वाले चार युवकों ने पेश की है, जिन्होंने घर पहुंचने की तड़प में साधन की कमी को आड़े नहीं आने दिया।

त्योहारों के इस सीजन में बेंगलुरु से बिहार आने वाली ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना पूरी तरह नामुमकिन हो चुका था। दूसरी ओर, ऐन वक्त पर फ्लाइट का किराया इतना बढ़ गया कि वह इन आम युवकों के बजट से कोसों बाहर था। जब घर लौटने के सारे पारंपरिक रास्ते बंद नजर आने लगे, तो इन चारों दोस्तों ने तीन पहियों वाले एक साधारण ऑटो रिक्शा से ही सफर करने का ऐतिहासिक फैसला लिया।

बेंगलुरु से पूर्वी चंपारण के मोतिहारी और वहां से अरेराज तक की दूरी करीब 2100 से 2200 किलोमीटर है। इस बेहद लंबी और थकाऊ दूरी को तय करने के लिए चारों युवक बिना किसी लग्जरी गाड़ी या आरामदायक सफर की परवाह किए अपने ऑटो पर सवार होकर निकल पड़े। उनके पास न तो रास्ते में रुकने





की विशेष सुविधाएं थीं और न ही सफर की सुगमता, बस दिल में छठी मइया के प्रति अटूट विश्वास था।

तीन पहियों वाले छोटे से ऑटो में चार लोगों का बैठना और लगातार कई दिनों तक सफर करना बेहद कष्टदायक था। रास्ते की थकान, मौसम का उतार-चढ़ाव और चौबीसों घंटे सड़क पर दौड़ते रहने की मार ने उनके शरीर को बुरी तरह थका दिया था। इसके बावजूद, अपनों से मिलने की बेताबी और मन में छठी मइया की भक्ति ने उनके हौसलों को टूटने नहीं दिया और वे दिन-रात आगे बढ़ते रहे।

हजारों किलोमीटर का थका देने वाला सफर तय करने के बाद, जब इन युवकों का ऑटो मोतिहारी के ऐतिहासिक बाबा सोमेश्वरनाथ मंदिर के समीप पहुंचा, तो वहां मौजूद लोग दंग रह गए। युवकों के चेहरों पर रास्ते की थकान साफ दिख रही थी, लेकिन अपने गांव की मिट्टी को छूने और परिवार के पास पहुंचने की खुशी ने उस थकान को एक पल में गायब कर दिया।

इन चार युवकों का यह सफर केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि यह उन लाखों प्रवासी बिहारियों की गहरी भावनाओं को दर्शाता है जो आजीविका के लिए घर से दूर रहते हैं। छठ पूजा का समय आते ही हर प्रवासी का मन अपने गांव की गलियों, घाटों और घर के आंगन में लौटने के लिए तड़प उठता है, चाहे इसके लिए उन्हें कितनी भी बड़ी मुश्किल का सामना क्यों न करना पड़े।

इस अनोखी यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि मंजिल तक पहुंचने के इरादे मजबूत हों, तो साधनों की कमी कभी बाधा नहीं बन सकती। इन युवकों की छठी मइया के प्रति अगाध श्रद्धा और परिवार से मिलने की तीव्र इच्छा ने तीन पहियों के एक मामूली ऑटो रिक्शा को भी इतने बड़े सफर का सफल जरिया बना दिया।मोतिहारी पहुंचने पर इन युवकों का स्वागत उनके परिवार और ग्रामीणों ने बेहद भावुक होकर किया। इस कठिन सफर को सुरक्षित पूरा करने पर जहां परिवार ने राहत की सांस ली, वहीं पूरे इलाके में इन युवकों के जज्बे और छठ पर्व के प्रति उनकी निष्ठा की जमकर सराहना हो रही है।

दामाद को 2.5 करोड़ की 'डिफेंडर'.. बेटी की शादी में अनंत सिंह कर रहे जमकर खर्च



पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में अपने बाहुबल और शाही अंदाज के लिए मशहूर मोकामा विधायक अनंत सिंह इन दिनों अपनी छोटी बेटी शिवांगी की शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। आगामी 25 नवंबर को अनंत सिंह के पैतृक गांव बाढ़ अनुमंडल क्षेत्र के नदावां में होने वाली यह शादी बिहार की अब तक की सबसे भव्य, खर्चीली और शाही शादियों में शुमार होने जा रही है। इस शादी के आयोजन का पैमाना इतना बड़ा है कि इसे देखने के लिए लोगों की आंखें फटी रह जाएंगी।

दामाद को करोड़ों की लग्जरी कार, 4 लाख लोगों का भोज, बॉलीवुड से लेकर भोजपुरी सितारों का जमावड़ा और 10 बीघा जमीन पर बन रहे आलीशान पंडाल की तैयारियां जोरों पर हैं। अनंत सिंह ने साफ कर दिया है कि इस मांगलिक कार्यक्रम में सियासत की कोई दीवार नहीं होगी। पीएम मोदी से लेकर नीतीश कुमार, लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव तक सबको न्योता भेजा गया है।

अनंत सिंह की छोटी बेटी शिवांगी परिणय सूत्र में बंधने जा रही हैं। उनके होने वाले दामाद का नाम ऋषिकेश कुमार उर्फ अंकित है। ऋषिकेश पटना के बिहटा स्थित कृष्णानगर के रहने वाले कमांडेंट रणविजय कुमार के सुपुत्र हैं। उच्च शिक्षित ऋषिकेश ने अमेरिका की जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से एमबीए की डिग्री हासिल की है और पिछले करीब 11 वर्षों से अमेरिका में ही रह रहे हैं।

इस शादी में सबसे ज्यादा चर्चा अनंत सिंह द्वारा अपने होने वाले दामाद को दिए जा रहे बेशकीमती 'गिफ्ट' की है। अनंत सिंह अपने दामाद को देश की सबसे महंगी और लग्जरी ऑफ-रोड एसयूवी 'लैंड रोवर डिफेंडर' गिफ्ट कर रहे हैं। इस गाड़ी के टॉप वेरिएंट की कीमत करीब 2।50 करोड़ से 3 करोड़ रुपये तक है।

यह लग्जरी गाड़ी पटना पहुंच चुकी है। डिफेंडर अपनी दमदार ऑफ-रोड क्षमता, प्रीमियम इंटीरियर और ऑल-व्हील ड्राइव तकनीक के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इसके साथ ही, 25 नवंबर को बेटी की शादी के दिन ही अनंत सिंह के छोटे बेटे अभिनव कुमार का 'शुभ उपनयन संस्कार' (जनेऊ) भी है।

शादी का मुख्य समारोह 25 नवंबर को मोकामा स्थित उनके पैतृक गांव लदमा में होगा। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है, कि करीब 10 बीघा जमीन पर उत्तर प्रदेश के मऊ से बुलाए गए विशेष कारीगरों द्वारा विशाल पंडाल तैयार किया जा रहा है।जयमाला के लिए जयपुर के 'पत्रकार चौराहे' की थीम पर 30 फीट ऊंचा भव्य और आलीशान स्टेज (मंच) बनाया जा रहा है। इस विशाल स्टेज को सजाने के लिए स्थानीय फूल नहीं, बल्कि सीधे चीन और बेंगलुरु से विशेष और महंगे फूल मंगाए गए हैं। सजावट की पूरी जिम्मेदारी देश की एक नामी इवेंट कंपनी को सौंपी गई है।

इस शाही शादी में मेहमानों के स्वागत और खाने-पीने का जो इंतजाम है, वह किसी महाभोज से कम नहीं है। अनंत सिंह ने खुद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इस शादी में करीब 4 लाख लोगों के भोजन की मुकम्मल व्यवस्था की जा रही है। अगर मेहमानों की संख्या इससे भी ज्यादा बढ़ती है, तो खाना कम नहीं पड़ेगा।मेन्यू में 150 से अधिक प्रकार के व्यंजन (डिशेज) शामिल होंगे, जिसमें बिहार के पारंपरिक पकवानों के साथ-साथ देश-विदेश के कई अन्य व्यंजन भी परोसे जाएंगे। मिठाइयों में खास तौर पर 'काजू कतली' और नालंदा (सिलाव) का मशहूर 52 परतों वाला 'सिलाव खाजा' मेहमानों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा।

पीएम मोदी के बिहार दौरे से पहले धर्मेंद्र प्रधान पहुंचे पटना, 'दिमागी नक्सल' पर दिया बड़ा बयान



पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस 21 नवंबर को बिहार आ रहे हैं। ऐसे में उनके दौरे की तैयारियों का जायजा लेने आज पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पटना आए हैं। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार में भी विकास कार्यों में काफी तेजी आई है। वहीं दिमागी नक्सल पर पीएम के बयान का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों को एकजुट होकर ऐसी मानसिकता वाले लोगों को विरोध करना चाहिए।पटना हवाईअड्डे पर मीडिया से मुखातिब होते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जो देश में अराजकता लाने की सोच रखते हैं या जो देश को अस्थिर करने की सोच रखते हैं, वैसे लोग ही दिमागी नक्सली हैं। ऐसे लोगों को उनके खिलाफ एकजुट होना होगा, क्योंकि ऐसे लोग देश के लिए खतरा हैं।

पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश तेजी से विकास कर रहा है। नक्सल सोच वाले गलत बयानबाजी करके लोगों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन यह कभी भी सफल नहीं होने वाले हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह लोग प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन करना चाहते हैं। लोकतंत्र में जो चुनी हुई सरकार है, उस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं।बीजेपी सांसद ने दिमागी नक्सल पर पीएम मोदी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश आगे बढ़ रहा है। विश्व में भारत का नाम हो रहा है तो इन लोगों को कहीं न कहीं कसक हो रही है। ऐसे लोगों के खिलाफ जनता को एकजुट होना है और जनता धीरे-धीरे एकजुट हो भी रही है। 'देश में जितने भी अराजक और अस्थिरता पैदा करने वाले मानसिकता के लोग हैं, देशवासियों को उनके खिलाफ एकजुट होना पड़ेगा।

लाइसेंसी पिस्टल से पत्नी के सिर में मारी गोली, बिहार में हत्या की खौफनाक वारदात से सनसनी

वैशाली, एजेंसी। दीपावली की रात जब पूरा देश दीपों की रोशनी और खुशियों में डूबा था, उसी दौरान हाजीपुर की राजपूत कॉलोनी गोलियों की आवाज से दहल उठी। औद्योगिक थाना क्षेत्र के राजपूत कालोनी में एक पति ने अपनी पत्नी के सिर में लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जिस घर में दीपावली की खुशियां मनाई जानी थीं, वहां पलभर में मातम पसर गया। मृतका की पहचान नीलू सिंह के रूप में हुई है।

आरोप है कि दीपावली की रात किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद पति राकेश चौहान ने अपनी पत्नी के सिर में पिस्टल से गोली मार दी। गोली लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना



के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

बताया जाता है कि आरोपी राकेश कुमार का मृतका नीलू सिंह के साथ शादी करीब 20 वर्ष पहले हुई थी। पति पत्नी के बीच कुछ दिनों से विवाह चल रहा था। रविवार को इसने विकराल रूप धारण कर लिया। जिस वक्त वारदात को अंजाम दिया गया उस समय घर में इन दोनों के अलावा उनकी बेटी ऋतिका राज मौजूद थी।

''मां-पापा में अक्सर झगड़ा होता रहता था। रात में खाना खाने के बाद सोने जा रहे थे। मुझे ऊपर वाले घर में भेज दिया गया। मैं जब सोने गई तभी गोली की आवाज आयी। नीचे आयी तो देखा कि मां को गोली लगी है। पापा भाग गए। मां पर पहले भी गोली चलायी गई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ सुबोध कुमार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। टीम आरोपी की तलाश में उसके संभावित ठिकानों सहित विभिन्न स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस फरार पति को जल्द गिरफ्तार करने के लिए प्रयासरत है।

''पति ने लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मारकर पत्नी की हत्या कर दी। घरेलू विवाद में पति द्वारा गोली मारने की जानकारी दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल भेजा गया। घटना की जांच के साथ आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है

हालांकि, हत्या के पीछे की वास्तविक वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि करीब 20 साल के वैवाहिक रिश्ते का अंत खून से हो गया? क्या पति-पत्नी के बीच कोई घरेलू विवाद चल रहा था या इस वारदात के पीछे कोई अन्य कारण था? इन सवालों का जवाब फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा। फिलहाल पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बिहार में खूनी झड़प, , दो की मौत

छठ गीत बजाने पर स्कॉर्पियो से 10 लोगों को कुचला

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के भोजपुर जिले के बिहियां प्रखंड के रामडिहा गांव में दीपावली की रात एक हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां छठ गीत बजाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद कुछ ही देर में खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि विवाद से गुस्साए एक स्कॉर्पियो चालक ने जानबूझकर वहां मौजूद भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी, जिससे दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, दीपावली की रात रामडिहा गांव के स्थानीय सूर्य मंदिर परिसर में ग्रामीण पारंपरिक छठ गीत बजा रहे थे। इसी बीच एक व्यक्ति वहां पहुंचा और उसने तेज आवाज में बज रहे गीतों का कड़ा विरोध किया। इस बात को लेकर वहां उपस्थित ग्रामीणों और उस व्यक्ति के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ता देख आरोपी युवक उस समय तो वहां से चुपचाप चला गया, लेकिन उसके दिमाग में कुछ और ही चल रहा था।

विवाद के कुछ ही देर बाद आरोपी युवक एक



तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर दोबारा मंदिर परिसर पहुंचा। इससे पहले कि वहां मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उसने बेकाबू गाड़ी को सीधे ग्रामीणों की भीड़ में घुसा दिया और लोगों को बेरहमी से कुचलना शुरू कर दिया। अचानक हुए इस जानलेवा हमले से मंदिर परिसर में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। इस दर्दनाक हादसे में 55 वर्षीय दिनेश यादव और उनके भाई 50 वर्षीय कमलेश यादव की इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। वहीं, छह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय सूत्रों का यह भी मानना है कि इस हिंसक मोड़ के पीछे छठ गीत के विवाद के साथ-साथ दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद भी एक बड़ी वजह हो सकता है।

वारदात की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस अधिकारी अब इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि विवाद की मुख्य वजह क्या थी और किन परिस्थितियों में आरोपी ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

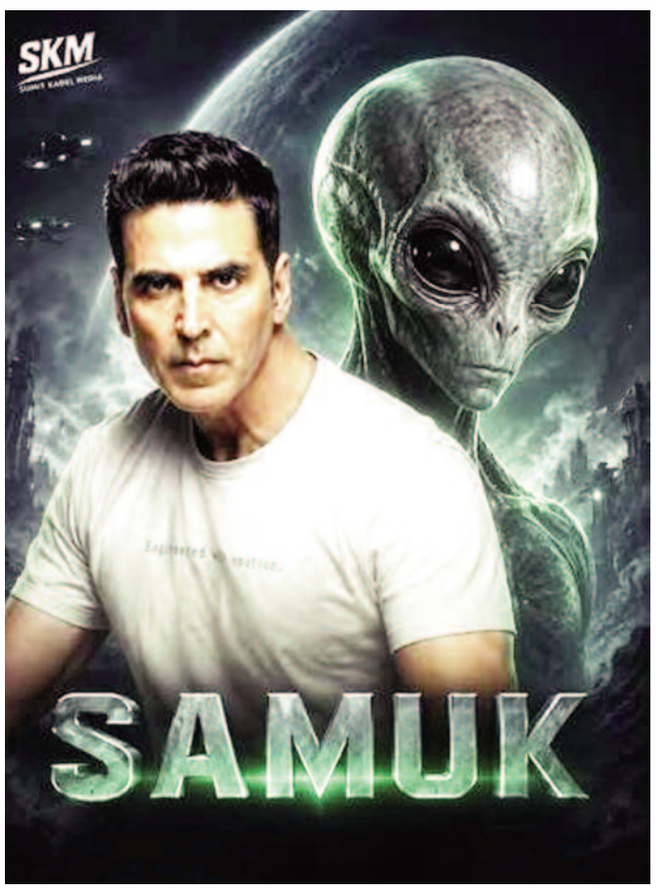
इस पूरे मामले को लेकर जगदीशपुर एसडीपीओ रवि कुमार ने बताया कि स्कॉर्पियो बैक करने के दौरान कुचलकर दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं अन्य कई लोग जख्मी है। घटना किस परिस्थिति में हुई, पुलिस जांच कर रही है। जिनके बीच विवाद हुआ वो दोनों परिवार आपस में गोतिया लगते हैं।

बिहार में 6 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म, मोबाइल दिखाने के बहाने युवक ने वारदात को दिया अंजाम

सारण, एजेंसी। बिहार के सारण जिले से बेहद ही शर्मनाक घटना सामने आयी है। अमनौर थाना क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। इसके बाद से इलाके में आक्रोश का माहौल है। घटना से ग्रामीणों में नाराजगी है। पीड़िता की मां की लिखित शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

पीड़िता की मां द्वारा पुलिस को दिए गए आवेदन के अनुसार, बच्ची गुरुवार की शाम स्कूल से घर लौटने के बाद घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला एक शादीशुदा युवक उसे मोबाइल फोन दिखाने का लालच देकर अपने घर ले गया। बताया जाता है कि उस समय आरोपी के घर के अन्य सदस्य खेत में धान की कटाई करने गए थे। घर में युवक अकेला था।

आरोप है कि घर में अकेला पाकर युवक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान बच्ची के रोने की आवाज सुनकर उसकी मां मौके पर पहुंची। नजारा देखकर पीड़िता की मां के होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग बच्ची को लेकर चिंतित हो गए। इसके बाद परिजनों ने बिना देर किए डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलने पर अमनौर थानाध्यक्ष विमलेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।



अक्षय कुमार की समुक में नया एक्टर बनेगा विलेन

अक्षय कुमार इन दिनों दो अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में व्यस्त हैं। निर्देशक कनिष्क वर्मा की साइंस-फिक्शन एक्शन-सर्वाइवल फिल्म 'समुक' के दूसरे शेड्यूल के लिए करीब 300 लोगों की टीम उत्तराखंड पहुंच चुकी है। वहीं, अनीस बज्मी की कॉमेडी फिल्म की शूटिंग भी अंतिम दौर में बताई जा रही है। दोनों फिल्मों की शूटिंग अक्षय के फिल्मी कैलेंडर के साथ तालमेल बनाकर पूरी की जा रही है।

'समुक' के लिए देहरादून में एक सप्ताह की शूटिंग शुरू हो गई है...

'समुक' का नया शेड्यूल देहरादून में शुरू होने की जानकारी है। विपुल अमृतलाल शाह के निर्माण में बन रही इस फिल्म में अक्षय के साथ रुक्मिणी मैत्रा, विनीत कुमार सिंह, राजत कपूर, स्वानंद किरकिरे, सुशांत सिंह और बनिता संधू नजर आएंगे। फिल्म में एक नए एक्टर को निगेटिव रोल में पेश किए जाने की चर्चा है। हालांकि, 'समुक' के विलेन और उसकी कास्टिंग को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनीस की फिल्म में कॉमिक टाइमिंग पर होगा खास फोकस



दूसरी ओर, अनीस की कॉमेडी फिल्म में अक्षय के साथ विद्या बालन और राशि खन्ना हैं। विजय राज, राजपाल यादव और सुदेश लहरी जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। यहां स्टंट और विजुअल इफेक्ट्स के बजाय कलाकारों की केमिस्ट्री, संवादों की लय और कॉमिक टाइमिंग खास होगी। अक्षय ने मई में फिल्म का केरल शेड्यूल पूरा होने की जानकारी दी थी। अब अलग-अलग लोकेशन पर शूटिंग के लिए कलाकारों की डेट्स तकनीकी संसाधनों और यूनिट की आवाजाही के बीच तालमेल बनाया जा रहा है।

'हैवान' के बाद कॉमेडी पर ही प्रियदर्शन का भरोसा

वहीं प्रियदर्शन और अक्षय की जोड़ी 'हेरा फेरी', 'गरम मसाला', 'भागम भाग' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जाती है। उनकी साथ में आखिरी फिल्म इसी साल 'हैवान' रिलीज हुई। इसमें अक्षय को निगेटिव किरदार में पेश करना उनकी छवि से अलग प्रयोग था। प्रियदर्शन ने अगस्त के आखिर में कहा था कि अक्षय लंबे समय से ऐसा किरदार निभाना चाहते थे और उन्होंने खुद इसमें रुचि दिखाई थी। सितंबर की शुरुआत में निर्देशक ने 'पैडमैन' और 'रुस्तम' जैसी फिल्मों का उल्लेख करते हुए अक्षय की कॉमेडी से आगे की अभिनय क्षमता पर भी जोर दिया। सितंबर के अंतिम सप्ताह की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'हैवान' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के बाद प्रियदर्शन ने अक्षय के साथ कॉमेडी पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही। उनकी अगली कॉमेडी-थ्रिलर में अक्षय के शिकारी की भूमिका निभाने की चर्चा भी सामने आई है। हाल ही में प्रियदर्शन ने स्वीकार किया कि दर्शक उन्हें गंभीर या नॉन-कॉमेडी विषयों में स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पहले 'खट्टा मीठा' जैसी गंभीर फिल्मों के साथ भी ऐसा ही हुआ था। 'हैवान' के परिणाम के बाद प्रियदर्शन ने कहा है कि वे अब अक्षय के साथ भविष्य में सिर्फ कॉमेडी फिल्मों पर ही काम किया करेंगे।







लव स्टोरी पर बेस्ड होगी जाह्नवी और श्रीलीला की फिल्म

जाह्नवी कपूर और श्रीलीला पहली बार एक साथ बड़े परदे पर नजर आने वाली हैं। दोनों में शुरू हो गई है। पहाड़ों और खूबसूरत वादियों के बीच फिल्म की कहानी को परदे पर उतारने की तैयारी की जा रही है। जाह्नवी इससे पहले भी उत्तराखंड में शूटिंग कर चुकी हैं। इस फिल्म में सिद्धार्थ गुप्ता भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसका निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं, वह इससे पहले 'पगलैट', 'द ट्रायल' के दूसरे सीजन और 'ग्यारह ग्यारह' जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। जबकि इसका निर्माण एकता कपूर और गुनीत मोंगा कपूर मिलकर कर रही हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे एक प्रेम कहानी पर बेस्ड रोमांचक फिल्म बताया जा रहा है। इसकी कहानी दो ऐसी लड़कियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ही लड़के को लेकर जुनूनी हो जाती हैं। दोनों के बीच इस लड़के को लेकर किस तरह की परिस्थितियां पैदा होती हैं और इसका असर उनकी जिंदगी पर कैसे पड़ता है, यही में जाह्नवी और श्रीलीला के किरदारों के बीच किस तरह का संबंध होगा, इस बारे में अभी विस्तार से जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल, कहानी के बाकी पहलुओं और किरदारों को लेकर मेकर्स ने चुप्पी बनाए रखी है। हाल ही में जाह्नवी का शूटिंग से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जो देखते ही देखते सुर्खियों में आ गया है।





अक्षय के साथ फिर बनेगी भूमि की जोड़ी, प्रियदर्शन ने किया कन्फर्म

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। अब उनकी एक नई फिल्म से जुड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि निर्देशक प्रियदर्शन की अगली फिल्म में भूमि पेडनेकर मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि, इस खबर पर पहले आधिकारिक मुहर नहीं लगी थी। प्रियदर्शन ने भूमि के फिल्म में शामिल होने की पुष्टि की है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक होता है, तो अक्षय और भूमि करीब चार साल बाद एक बार फिर बड़े परदे पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने 2022 में आई फिल्म 'रक्षा बंधन' में साथ काम किया था। इसके अलावा, दोनों की जोड़ी 2017 में आई फिल्म 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा' में भी नजर आई थी। प्रियदर्शन की इस नई फिल्म में अक्षय एक अलग तरह के किरदार में नजर आ सकते हैं।



एक एक्टर को एक कलाकार के रूप में देखा जाना चाहिए, भाषा उनके लिए रुकावट नहीं बननी चाहिए

अभिनेत्री कशिका कपूर ने दक्षिण भारतीय अभिनेताओं के बॉलीवुड में काम करने के दौरान उनके हिंदी लहजे को लेकर ट्रोल किए जाने पर अपनी राय साझा की। बातचीत में कशिका ने कहा कि एक एक्टर को एक कलाकार के रूप में देखा जाना चाहिए और भाषा उनके लिए कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए। उनसे पूछा गया, 'कभी-कभी हिंदी फिल्मों में काम करने वाले दक्षिण भारतीय एक्टर्स को उनके बोलने के लहजे की वजह से आलोचना का सामना करना पड़ता है। किसी एक्टर को उसकी भाषा या एक्सेंट के आधार पर जज करने के बारे में आपकी क्या राय है?' इस पर कशिका ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा अक्सर होता है, लेकिन एक एक्टर की पहचान हमेशा एक परफॉर्मर के तौर पर होनी चाहिए। भाषा कभी कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए। हमें इंडस्ट्री को यह कहकर नहीं बांटना चाहिए कि यह तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री है या यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री है।' 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें अपने पूरे करियर में अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना झेलनी पड़ी है। हालांकि, उन्होंने कभी इस आलोचना की वजह से खुद को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। कशिका ने कहा, 'हर कोई कड़ी मेहनत कर रहा है और बेहतरीन परफॉर्मेंस दे रहा है। उदाहरण के लिए रश्मिका मंदाना को ही ले लीजिए। वह एक शानदार एक्टर और परफॉर्मर हैं और मुझे नहीं लगता कि किसी को भी उन्हें उनकी भाषा या एक्सेंट के आधार पर जज करना चाहिए।



क्या 'किंग' में नजर आएंगी करीना कपूर

एक्टर शाहरुख खान के जन्मदिन पर उनकी अगली फिल्म 'किंग' का पहला गाना भी रिलीज किया गया। इस बीच शाहरुख को विश करते हुए करीना कपूर ने भी फिल्म से जुड़ा एक खास नोट शेयर किया है।

शाहरुख के जन्मदिन पर करीना ने एक खास पोस्ट शेयर करते हुए उन्हें विश किया। इस पोस्ट में उन्होंने एक फोटो शेयर की, जिसमें एक्टसोड़कर देख रहे हैं और ये कयास लगाए जा रहे हैं कि करीना इस फिल्म में नजर आ सकती हैं। हालांकि एक्ट्रेस और किंग की टीम की ओर से इस बात की कोई पुष्टि नहीं की गई है।

कब रिलीज होगी 'किंग'

फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम कर रहे हैं। यह सुहाना खार्न की परछाई नजर आ रही है और वे डांस फ्लॉर पर नजर आ रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने एक खास कैप्शन भी लिखा। करीना ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे किंग। आप हमेशा दिलों पर राज करते रहें। आओ साथ में डांस करते हैं। 24-12-26 इस पल का बेसब्री से इंतजार है।' फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, राघव जुयाल और रानी मुखर्जी जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।





बेटा 2 में ह्यूमनॉइड रोबोट बेस्ड प्लॉट, पिता-पुत्र के इर्द-गिर्द होगी कहानी

अनिल कपूर की फिल्म 'बेटा 2' को लेकर इन दिनों इंडस्ट्री में काफी चर्चा है। 1992 में आई 'बेटा' में मां-बेटे के रिश्ते और पारिवारिक संघर्ष को दिखाया गया था। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी उस फिल्म से अलग नई कहानी में पिता-बेटे के रिश्ते को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूमनॉइड टेक्नोलॉजी से जोड़ने की तैयारी है। हालांकि, इसे पुरानी फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं, बल्कि स्टैंडअलोन कहानी बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म में ऐसी मशीन की अवधारणा होगी, जो इंसान की रोजमर्रा की जरूरतें और जिम्मेदारियां संभाल सकती है। कहानी के जरिए यह सवाल उठाया जाएगा कि क्या AI और रोबोट परिवार के सदस्यों की जगह ले सकते हैं? खासकर बुजुर्गों की देखभाल में तकनीक कितनी मददगार हो सकती है। फिल्म का निर्देशन करण बुलानी करेंगे, जबकि कहानी 'गुल्लक' फेम दुर्गेश सिंह ने लिखी है। उनकी अगली फिल्म 'शक्तिशालिनी' भी है। फिल्म को जनवरी से फ्लोर पर ले जाने की तैयारी है। हिमाचल प्रदेश में लोकेशन का सर्वे भी किया जा चुका है और इसका संभावित बजट करीब 40 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। बेटे के किरदार के लिए कास्टिंग जारी है और राजकुमार राव का नाम भी चर्चा में है लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अनिल को फिल्म में एक ऐसे पिता के रोल में देखा जा सकता है, जिसकी निजी जिंदगी में तकनीक एक बड़ा बदलाव लेकर आती है। मेकर्स का मकसद इस फिल्म के जरिए यह बताने का है कि क्या तकनीक इंसानी रिश्तों पर असर डालती है। इसके अलावा अनिल की दूसरी बड़ी फिल्मों में सिद्धार्थ आनंद की 'किंग' भी शामिल है।

एलिस हुआंग: एनवीडिया सीईओ जेनसन के साथ अफेयर, चीन के लिए जासूसी के आरोप; चिप खरीद में आया नाम

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग इन दिनों निजी रिश्तों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवालों के कारण चर्चा में हैं। उनके साथ कथित करीबी संबंध रखने वाली एलिस हुआंग पर चीन की खुफिया एजेंसी के लिए काम करने का संदेह जताया गया है। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को आशंका है कि एलिस ने एनवीडिया प्रमुख से जुड़ी जानकारियां जुटाने और कंपनी के चीन में चिप कारोबार को प्रभावित करने की कोशिश की।

इस मामले में करीब 4.8 अरब डॉलर के उन्नत एआई उपकरणों की खरीद का भी जिक्र है। एलिस हुआंग से जुड़ी कारोबारी कंपनियों ने दक्षिण-पूर्व एशिया में डेटा सेंटर बनाए और एनवीडिया के चिप वाले उपकरण खरीदे। अमेरिकी एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि कहीं इन उपकरणों को गैरकानूनी तरीके से चीन तो नहीं पहुंचाया गया। विवाद के बीच जेनसन हुआंग ने अपनी पत्नी से बेवफाई करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने परिवार से माफी मांगते हुए कंपनी के निदेशक मंडल की ओर से शुरू की गई स्वतंत्र जांच में सहयोग करने का भरोसा दिया है।

इस पूरे मामले में जिस महिला का नाम सामने आया है, वह एलिस हुआंग हैं। उनका उपनाम जेनसन हुआंग से मिलता है, लेकिन दोनों के बीच कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। उन्हें हुआंग ले के नाम से भी जाना जाता है। जून 2024 में ताइवान की राजधानी ताइपे के एक बार में एलिस को जेनसन हुआंग के साथ देखा गया था। उस दौरान दोनों गीगाबाइट और नेटथंडर से जुड़े अधिकारियों के साथ मौजूद थे। वे वहां व्हिस्की पी रहे थे। इस मुलाकात की एक तस्वीर लिंक्डइन पर भी सामने आई थी।

मई 2025 में एआई आपूर्तिकर्ताओं के साथ रात्रिभोज के बाद ताइपे के एक रेस्तरां के बाहर भी एलिस, जेनसन हुआंग के पीछे खड़ी दिखाई दी थीं। उस समय एनवीडिया प्रमुख पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसी अवधि में एलिस से जुड़ी एक कंपनी एनवीडिया के उन्नत उपकरण बड़े पैमाने पर खरीद रही थी।



न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जेनसन हुआंग कंपनी के निदेशक मंडल के सामने एलिस के साथ अपने करीबी संबंधों की बात स्वीकार कर चुके थे। हालांकि, कर्मचारियों को भेजे गए अपने ईमेल में उन्होंने महिला का नाम नहीं लिया।

एलिस हुआंग के पेशेवर सफर के बारे में चीन के एक निजी फंड डेटाबेस में उपलब्ध प्रोफाइल से जानकारी मिलती है। इसके मुताबिक, उन्होंने हुनान टीवी और चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी में पत्रकार के रूप में काम किया था। इसके बाद वह एचएसबीसी से जुड़ीं। वहां उन्हें प्राइवेट बैंकिंग डिवीजन के अध्यक्ष की सहायक बताया गया। बाद में उन्होंने सीआईटीआईसी सिक्योरिटीज में उपाध्यक्ष का पद संभाला।

हालांकि, उनके पत्रकारिता करियर से जुड़े दावों पर सवाल भी उठे। न्यूयॉर्क पोस्ट ने हुनान टीवी के एक अधिकारी से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने एलिस हुआंग का नाम पहले कभी नहीं सुना। अखबार को सीसीटीवी की वेबसाइट पर भी उनके नाम से कोई प्रोफाइल नहीं मिली। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को आशंका हुई कि एलिस हुआंग चीन की राजधानी बीजिंग तक सूचनाएं पहुंचा रही थीं। न्यूयॉर्क टाइम्स और फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्टों में एक गोपनीय ज्ञापन का हवाला दिया गया। इसमें दावा किया गया कि चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने एलिस को जेनसन हुआंग के बारे में जानकारी जुटाने के लिए भर्ती किया था। आशंका यह भी जताई गई कि उन्हें एनवीडिया की ओर से चीन को उन्नत चिप बेचने की कोशिशों को प्रभावित करने का काम सौंपा गया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि चीन ने एलिस को मेगास्पीड से जुड़ने से पहले भर्ती किया था या जेनसन हुआंग से परिचित होने के बाद। दोनों की पहली मुलाकात कब हुई, इस बारे में भी रिपोर्टों में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। कॉरपोरेट रिकॉर्ड के मुताबिक, चीन के मोबाइल गेमिंग कारोबार से जुड़ी सिंगापुर की कंपनी 7रोड इंटरनेशनल ने मार्च 2023 में अपना नाम बदलकर मेगास्पीड कर लिया था। इसी महीने एलिस हुआंग कंपनी की प्रबंध निदेशक बनीं। मार्च 2023 में कंपनी का स्वामित्व हुआंग ले लिमिटेड को सौंपा गया।

संक्षिप्त समाचार

जापान में फिर हिली धरती, भूकंप के तेज झटकों से 22 लोग घायल

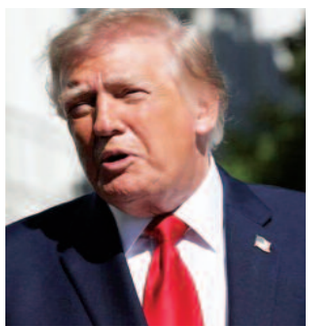
तोक्यो , एजेंसी। जापान के मध्य हिस्से में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए और इस दौरान कम से कम 22 लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण दुकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और लोग इमारतों से बाहर निकल आए। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 5.7 बताई, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार इसकी तीव्रता 5.5 थी। भूकंप के बाद कम तीव्रता के कई और झटके भी महसूस किए गए। भूकंप का असर आइची प्रांत के आसपास के एक बड़े इलाके में महसूस किया गया, जिसमें हमामात्सु शहर, जापान की प्राचीन राजधानियां क्योटो और नारा तथा आसपास के यामानाशी और गिफू प्रांत शामिल हैं। जापान का प्रसिद्ध माउंट फूजी पर्वत यामानाशी प्रांत में स्थित है। जापानी टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित फुटेज में दुकानों की खिड़कियों के शीशे टूटे हुए और सड़कों पर कांच के टुकड़े बिखरे दिखाई दिए। भूकंप के कारण 22 लोग घायल हो गए जिनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश में सीढ़ियों से गिर गए। स्थानीय समयानुसार देर रात एक बजकर चार मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र शिजुओका प्रांत में जमीन से करीब 40 किलोमीटर नीचे था। आइची और शिजुओका पड़ोसी प्रांत हैं। आधिकारिक आकलन के अनुसार सबसे तेज झटके आइची में महसूस किए गए। भूकंप के कारण रेल पटरियों को नुकसान पहुंचने की आशंका को देखते हुए एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाकों में शिंकानसेन बुलेट ट्रेन धीमी गति से चलाई जा रही हैं। जापान भूकंप संभावित क्षेत्र में स्थित है।

कॉलेज के एक समारोह में गोलीबारी, जश्न के बीच अचानक हुआ हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्थित एक ऐतिहासिक अश्वेत विश्वविद्यालय में होमकमिंग समारोह के दौरान हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। इस घटना में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच जारी है। विंस्टन-सलेम स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल मिला। अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इसी जगह पुलिस को 22 वर्षीय महिला भी मिली, जिसे गोली लगी थी। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में जियायरे स्पिंक्स नाम के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए हैं? पुलिस के सहायक प्रमुख जेसन स्वेम के मुताबिक, आरोपी को बिना जमानत हिरासत में रखा गया है। उसके खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर बंदूक रखने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के पीछे की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जांचकर्ता मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। हालांकि, शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने इसे एक अलग-थलग घटना बताया है। इसका मतलब है कि फिलहाल इस गोलीबारी को किसी दूसरी घटना से जुड़ा हुआ नहीं माना जा रहा है। पुलिस ने रविवार तड़के हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शनिवार रात विश्वविद्यालय परिसर में दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, दूसरी घटना के बारे में अधिकारियों ने अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दूसरी गोलीबारी में कोई घायल हुआ या नहीं। पुलिस ने दोनों घटनाओं से जुड़े तथ्यों की जांच जारी रखी है। अधिकारियों ने फिलहाल यह भी नहीं बताया है कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं। ऐसे में दूसरी गोलीबारी से जुड़ी जानकारी सामने आना अभी बाकी है।

हमने ईरान को हरा दिया: डोनाल्ड ट्रंप का दावा; समझौते की उम्मीद के बीच सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर दोबारा सैन्य हमले किए जाने की संभावना बेहद कम है, बशर्ते दोनों देशों के बीच बातचीत में प्रगति हो और कोई मजबूत समझौता हो जाए। हालांकि, उन्होंने ईरान के खिलाफ आगे सैन्य कार्रवाई की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ईरान को पहले ही भारी नुकसान पहुंचा चुका है और फिलहाल आगे हमले करने की जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है। रविवार को सीएनएन को फोन पर दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान एक मजबूत समझौते पर हस्ताक्षर करता है या नहीं। उनका इशारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने से जुड़ी शर्तों की ओर था।



समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे से जुड़े संभावित ठिकानों की पहचान कर ली है। इनमें बिजली संयंत्र और पुल भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक घंटे में ईरान के 38 पुलों को तबाह कर सकता है। ट्रंप ने दोहराया, 'सबसे अधिक संभावना यही है कि इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। वे बहुत बेताबी से समझौता करना चाहते हैं।'

इससे पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत कर रहा है और यह संपर्क पहले से जारी है। उन्होंने कहा, 'हम ईरान के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम पहले से ऐसा करते रहे हैं।' ट्रंप ने सैन्य स्थिति को अमेरिका के पक्ष में बताते हुए दावा किया कि ईरान को हराया जा चुका है और होर्मुज जलडमरूमध्य भी खुल रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान को हरा दिया है। हम ईरान के मामले में बहुत अच्छा कर रहे हैं।'

ट्रंप के ये बयान ऐसे समय आए हैं, जब अमेरिकी प्रशासन ने ईरान से जुड़े वित्तीय नेटवर्क पर कार्रवाई तेज कर दी है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कनाडा स्थित आठ वित्तीय सेवा कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इन कंपनियों पर ईरान को क्रिप्टोकरेंसी नेटवर्क के जरिए धन हस्तांतरित करने में मदद करने का आरोप है। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के तहत की गई है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, इन कंपनियों ने ईरानी रियाल और अन्य मुद्राओं को डिजिटल संपत्तियों में बदलकर ईरान से जुड़े अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को सुविधाजनक बनाया। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इनमें से कई कंपनियों का प्रतिबंधित ईरानी क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों या इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी पतों के साथ लेनदेन रहा है।

मिस्र में दो ट्रेनों की भीषण टक्कर: सात यात्रियों की मौत और 100+ घायल; एक ट्रेन पटरी से उतरी

काहिरा, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिण में रविवार को दो ट्रेनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह दुर्घटना गीजा प्रांत के अल-अय्यात जिले में हुई, जो काहिरा से करीब 52 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, एक ट्रेन दक्षिण-पश्चिमी फय्यूम प्रांत की ओर जा रही थी। इसी दौरान वह दक्षिणी असवान प्रांत की ओर जाने वाली दूसरी ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि एक ट्रेन पटरी से उतर गई। हालांकि, अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों में से कौन सी ट्रेन पटरी से उतरी। मिस्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने हादसे में सात लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। दुर्घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव दल तैनात किए गए। दुर्घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त डिब्बों और मलबे को हटाने के लिए क्रेन भी भेजी गई, ताकि राहत कार्य जल्द पूरा किया जा सके। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने रेल हादसे पर संज्ञान लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने दुर्घटना की तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जांच के जरिए हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। वहीं, मिस्र रेलवे प्राधिकरण ने कहा कि दुर्घटनास्थल से मलबा हटाने और रेल सेवाओं को जल्द से जल्द सामान्य समय-सारिणी के मुताबिक बहाल करने के लिए टीमें काम कर रही हैं।



चीनी हनीट्रैप विवाद: ट्रंप ने किया एनवीडिया सीईओ का बचाव, कहा- वह अच्छे शख्स; जेनसन हुआंग के खिलाफ जांच शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एनवीडिया के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग का बचाव किया है। चीन के लिए जासूसी करने की संदिग्ध महिला के साथ उनके संबंधों को लेकर उठे विवाद के बीच ट्रंप ने हुआंग को 'सम्मानित व्यक्ति' बताया। उन्होंने कहा कि हुआंग को दुनिया की दिग्गज चिप कंपनी के प्रमुख पद पर बने रहना चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर हुआंग से सीधे बात नहीं की है, लेकिन उनका मानना है कि हुआंग ने देश के लिए बहुत अच्छा काम किया है। ट्रंप ने कहा, 'मैंने इस बारे में उनसे बात नहीं की है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि वह एक अच्छे व्यक्ति हैं, हालांकि आप कभी नहीं जानते कि क्या चल रहा है। मुझे उम्मीद है कि वहां सब कुछ ठीक होगा। उन्होंने इतना शानदार काम किया है। मेरी राय में वह अच्छे व्यक्ति हैं।' जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या खुफिया एजेंसियों से संदिग्ध विदेशी जासूसी नेटवर्क के बारे में जानकारी मिलने के बाद पहले कार्रवाई नहीं करने का उन्हें अफसोस है, तो उन्होंने इसका बचाव किया। ट्रंप ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। मेरे विचार से वह सम्मानित व्यक्ति हैं। मुझे लगता है कि उनके पास इसका कोई स्पष्टीकरण होगा और हमें उसे सुनना चाहिए। आप लोगों के साथ ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने हमारे देश के लिए शानदार काम किया है।' हुआंग के सीईओ पद पर बने रहने के सवाल पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे ऐसा ही लगता है। बिल्कुल।' ट्रंप का यह बयान एनवीडिया के निदेशक मंडल की ओर से मामले की स्वतंत्र जांच शुरू किए जाने के कुछ समय बाद आया है। कंपनी के बोर्ड ने उन आरोपों की जांच के लिए स्वतंत्र समिति बनाई है, जिनके मुताबिक हुआंग को एक विदेशी खुफिया अभियान के जरिए निशाना बनाया गया था। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि हुआंग ने एक महिला टेक अधिकारी के साथ विवाहेतर संबंध स्वीकार किया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने इस महिला को चीन की एजेंट होने का संदिग्ध बताया है।



पाकिस्तान में 79 साल बाद खुला ऐतिहासिक गुरुद्वारा: बंटवारे के बाद से था बंद

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर में एक ऐतिहासिक गुरुद्वारा रविवार को धार्मिक पूजा के लिए फिर से खोल दिया गया। यह गुरुद्वारा 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप के बंटवारे के बाद से बंद था। यानी 79 साल बाद यहां फिर से धार्मिक गतिविधियां शुरू हुई हैं। गुरुद्वारे को दोबारा खोलने के मौके पर एक समारोह आयोजित किया गया। इसमें सिख धार्मिक परंपराओं का पालन किया गया। सिख समुदाय के कई लोग भी इसमें शामिल हुए। इस गुरुद्वारे का नाम गुरुद्वारा छेवीं पातशाही श्री गुरु हरगोबिंद साहिब है। यह लाहौर की टेंपल रोड पर स्थित है। इसका संबंध गुरु हरगोबिंद साहिब की लाहौर यात्रा से है।

गुरु हरगोबिंद साहिब का जीवनकाल 1595 से 1644 तक था। वह 10 सिख गुरुओं में छठे गुरु थे। उन्हें एक ऐसे संत-योद्धा के रूप में सम्मान दिया जाता है, जिन्होंने धार्मिक उत्पीड़न से बचाव के लिए सिख समुदाय को तैयार किया।

गुरुद्वारे को दोबारा खोलने के समारोह में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सरदार रमेश सिंह अरोड़ा शामिल हुए। इसके अलावा इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के सचिव नासिर मुश्ताक और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

समारोह में अरोड़ा ने कहा कि ऐतिहासिक गुरुद्वारे की मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। अब इसे सिख समुदाय के लोगों के धार्मिक पूजन के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में 50 से ज्यादा गुरुद्वारों का नवीनीकरण किया जा रहा है। इसका मकसद सिख धार्मिक विरासत को सुरक्षित रखना और तीर्थयात्रियों को सुविधाएं देना है।

ईटीपीबी के सचिव नासिर मुश्ताक ने कहा कि गुरुद्वारे की मरम्मत और इसे दोबारा खोलने



का मकसद सिख समुदाय को बेहतर धार्मिक सुविधाएं देना है। साथ ही, लाहौर की ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना भी इसका मकसद है।

सिख ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, गुरु हरगोबिंद साहिब को स्थानीय सिख संगत ने लाहौर आने का निमंत्रण दिया था। गुरु साहिब ने यह निमंत्रण स्वीकार किया था। इसके बाद वह लाहौर आए और तीन दिन तक भाई जीवन नाम के एक श्रद्धालु के घर पर रुके। भाई जीवन गुरु साहिब की मेजबानी करने का सम्मान पाकर बेहद भावुक हो गए थे। इसके बाद उन्होंने अपने घर को गुरुद्वारे में बदल दिया। यही स्थान आगे चलकर गुरुद्वारा छेवीं पातशाही श्री गुरु हरगोबिंद साहिब के नाम से जाना गया। इस गुरुद्वारे का संबंध सिख धर्म के प्रचारक और योद्धा भाई विधि चंद से भी है। वह दो बार लाहौर आए थे। उस समय के मुगल गवर्नर ने कुछ घोड़ों को जब्त कर लिया था। ये घोड़े श्रद्धालुओं ने गुरु हरगोबिंद साहिब को भेंट के रूप में दिए थे। सिख ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, भाई विधि चंद ने घोड़ों को वापस लाने के लिए अलग-अलग अभियान चलाए। उन्होंने एक बार घास बेचने वाले और दूसरी बार ज्योतिषी का भेष धारण किया। इस तरह उन्होंने दोनों घोड़ों को वापस हासिल किया और गुरु हरगोबिंद साहिब को लौटा दिया। साल 1915 में स्थानीय सिख संगत ने गुरुद्वारे के हॉल का विस्तार कराया था। इसके बाद गुरुद्वारे के तत्कालीन देखरेख करने वाले प्रमुख सेवादार हरि सिंह पर गलत काम करने के आरोप लगे। इसके बाद 1921 में संगत ने गुरुद्वारे का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया। इसके लिए एक स्थानीय समिति भी बनाई गई।

साल 1927 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने इस गुरुद्वारे का प्रशासनिक नियंत्रण संभाल लिया। एसजीपीसी एक शीर्ष संस्था है। यह ऐतिहासिक सिख गुरुद्वारों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालती है।

1947 के बंटवारे के बाद क्यों बंद हुआ था गुरुद्वारा?

साल 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप के बंटवारे के बाद इस गुरुद्वारे में सिख समुदाय की नियमित धार्मिक गतिविधियां बंद हो गई थीं। सिख ऐतिहासिक विवरणों में यह भी दर्ज है कि बंटवारे के दौरान हुई हिंसा में समुदाय के कई लोगों की हत्या कर दी गई थी, जो इस जगह की पवित्रता की रक्षा कर रहे थे। इसके बाद से गुरुद्वारा धार्मिक पूजा के लिए बंद रहा। अब 79 साल बाद इसे फिर से खोल दिया गया है।

क्या बिखरे विपक्ष को एकजुट कर पाएंगे गादी: राष्ट्रपति ने पहले सरकार बनाने का दिया मौका

यरूशलम , एजेंसी। इस्राइल में नई सरकार के गठन की कवायद शुरू हो गई है। विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट को नई सरकार बनाने का मौका दिया गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन को अक्तूबर में हुए चुनावों में संसद में बहुमत नहीं मिला। इससे नेतन्याहू के लंबे शासन का अंत होने की संभावना बढ़ गई है।

राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने शनिवार को राजनीतिक दलों से बातचीत के बाद आइजेनकोट को सरकार बनाने के लिए चुना। आइजेनकोट को गठबंधन तैयार करने के लिए 28 दिन का समय दिया गया है। अगर वह इस अवधि में सरकार नहीं बना पाते हैं, तो 14 दिन का अतिरिक्त समय मांग सकते हैं।

आइजेनकोट यशर पार्टी के नेता हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अब राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार बनाने का समय है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा कि हम इस जिम्मेदारी के योग्य साबित हों।

हालांकि, 66 साल के आइजेनकोट के सामने बड़ी चुनौती है। विपक्षी दलों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, धर्म और फलस्तीनी क्षेत्रों पर इस्राइली नियंत्रण को लेकर गहरे मतभेद हैं। इस्राइल की 120 सदस्यीय संसद को नेसेट कहा जाता है। इसमें बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत होती है। आइजेनकोट और नेतन्याहू, दोनों के पास 61 सीटों का समर्थन नहीं है। ऐसे में अरब समर्थित पार्टियों की भूमिका अहम हो सकती है। उनके समर्थन से तय हो सकता है कि इस्राइल में किसकी सरकार बनेगी। हालांकि, आइजेनकोट और उनके संभावित सहयोगी इन पार्टियों के समर्थन पर निर्भर नहीं रहना चाहते।

आइजेनकोट के संभावित गठबंधन में चार पार्टियां शामिल हैं। इनमें उनकी अपनी यशर पार्टी, यायर गोलान के नेतृत्व वाली मध्य-वामपंथी डेमोक्रेट्स पार्टी, नफ्ताली बेनेट की मध्य-दक्षिणपंथी टुगेदर पार्टी और एविगडोर लिबरमैन की दक्षिणपंथी यिस्राएल बेतेनु (इस्राइल हमारा घर) पार्टी शामिल हैं। इन चारों पार्टियों के पास कुल 48 सीटें हैं। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से काफी कम है।

अरब नेतृत्व वाली दो पार्टियों रआम (संयुक्त सूची) और संयुक्त सूची ने भी आइजेनकोट की सरकार बनाने की कोशिश का समर्थन किया है। संयुक्त सूची में तीन पार्टियां हदाश, ताल और बलाद शामिल हैं। इन दोनों गठबंधनों के पास मिलाकर 19 सीटें हैं। अगर इनका समर्थन मिलता है, तो नेतन्याहू विरोधी खेमे की कुल सीटें 67 हो सकती हैं।



हदाश अरब और यहूदी समुदाय के लोगों की पार्टी है। ताल इस्राइल के फलस्तीनी नागरिकों के अधिकारों की पैरवी करती है। वहीं, बलाद देश के सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों की मांग करती है। हालांकि, आइजेनकोट ने अरब पार्टियों को अपनी सरकार में शामिल करने से इनकार किया है। लिबरमैन भी कई बार कह चुके हैं कि वह ऐसी अल्पमत सरकार बनाने के पक्ष में नहीं हैं, जो अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर हो।

वहीं, गोलान की डेमोक्रेट्स पार्टी रआम और संयुक्त सूची (ज्वाइंट लिस्ट) के साथ मिलकर काम करने के लिए ज्यादा तैयार है। चुनाव के बाद गोलान ने कहा, हमें अब नेतन्याहू के उस नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए, जिसमें यहूदी और अरब वोटों को अलग-अलग देखा जाता है।

नेतन्याहू के धार्मिक और राष्ट्रवादी गठबंधन की सीटें घट गई हैं। साल 2022 में इस गठबंधन के पास 64 सीटें थीं। अब यह संख्या घटकर 53 रह गई है। यानी बहुमत से यह गठबंधन आठ सीट पीछे है।

नेतन्याहू की लिकुड पार्टी सबसे बड़ी अकेली पार्टी है। इसके पास 27 सीटें हैं। वहीं, आइजेनकोट की यशर पार्टी ने 21 सीटें जीती हैं। नेतन्याहू को एक और झटका तब लगा, जब उनकी लंबे समय से सहयोगी रही यूनाइटेड टोरा यहूदी पार्टी ने राष्ट्रपति हर्जोग से बातचीत के दौरान उनका या किसी दूसरे उम्मीदवार का समर्थन करने से इनकार कर दिया।

इस फैसले से नेतन्याहू की सत्ता में वापसी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, पार्टी ने भविष्य में गठबंधन को लेकर बातचीत में नेतन्याहू का समर्थन करने का रास्ता बंद नहीं किया है।

इसका फैसला उसकी मांगों पर निर्भर करेगा। इनमें अति-रूढ़िवादी यहूदी समुदाय के लोगों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा का मुद्दा भी शामिल है। यह समुदाय सैन्य सेवा से छूट की मांग करता रहा है। अगर आइजेनकोट गठबंधन बनाने में सफल नहीं होते हैं, तो वह अरब पार्टियों के बाहरी समर्थन से अल्पमत सरकार बना सकते हैं। अल्पमत सरकार तब बनती है, जब सरकार में शामिल पार्टियों के पास संसद में कुल बहुमत नहीं होता। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने और कानून पास कराने के लिए गठबंधन से बाहर के सांसदों का समर्थन लेना पड़ता है। आइजेनकोट अपनी चार पार्टियों के गठबंधन के साथ ऐसी सरकार बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें रआम और जॉइंट लिस्ट का बाहरी समर्थन लेना होगा। इस व्यवस्था में अरब नेतृत्व वाली पार्टियों को सरकार में मंत्री पद देना जरूरी नहीं होगा। उन्हें औपचारिक रूप से गठबंधन में शामिल करना भी जरूरी नहीं होगा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)